epaper.dehatsandesh.com

3 शक्ति केंद्र प्रमुख भाजपा के संगठनात्मक ढांचे के प्रमुख सदस्य : भाजपा नेता

5 लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल

8 स्ट्रॉबेरी की खेती

मौसम जम्मू
न्यूनतम 10
अधिकतम 22

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-58 | जम्मू तवी, बुधवार 05 मार्च, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

दुनिया का हर देश आज भारत के साथ आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 4 मार्च । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विकास इंजन बताते हुए मंगलवार को कहा कि आज दुनिया का हर देश भारत के साथ अपनी आर्थिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। उन्होंने कहा कि हमारे विनिर्माण क्षेत्र को इन साझेदारियों का लाभ उठाने के लिए अधिक से अधिक पहल करनी चाहिए।

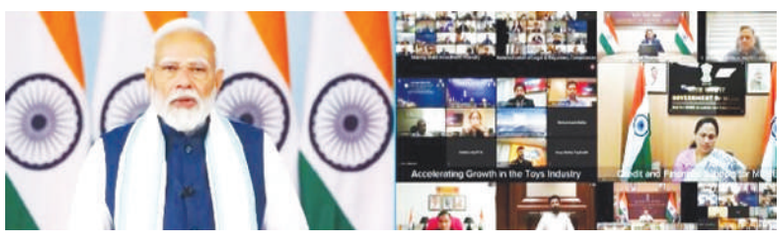

प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित करते कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विनिर्माण और निर्यात पर ये बजट वेबिनार हर दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। ये बजट हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट था। इस बजट की सबसे खास बात रही, अपेक्षाओं से अधिक डिलीवरी। कई क्षेत्र ऐसे हैं जहां विशेषज्ञों ने भी जितनी अपेक्षाएं की थीं, सरकार ने उससे अधिक कदम उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि किसी भी देश में विकास के लिए स्थिर नीति और अच्छा कारोबारी माहौल बहुत जरूरी है। कुछ साल पहले हम जन विश्वास अधिनियम लेकर आए। हमने अनुपालन को कम करने की कोशिश की। केंद्र और राज्य स्तर पर 40 हजार से अधिक अनुपालन समाप्त किए गए। इससे व्यापार करने में आसानी हुई। हमने सरलीकृत आयकर की अवधारणा पेश की। हम जनविश्वास 2.0 विधेयक पर काम कर रहे हैं। गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों की समीक्षा के लिए, हमने एक समिति बनाने का फैसला किया है। हम उन्हें आधुनिक, लोगों के अनुकूल और कार्य-आधारित बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि हमने आत्मनिर्भर भारत के विजन को आगे बढ़ाया और सुधारों की अपनी गति को और तेज किया। हमारे प्रयासों से अर्थव्यवस्था पर कोविड का प्रभाव कम हुआ। इससे भारत को तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनाने में मदद मिली। उन्होंने कहा, जब कोविड-19 महामारी के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था धीमी हो गई तो भारत ने वैश्विक विकास को गति दी। यह आसानी से नहीं हुआ। हमने अपने सुधारों की गति को तेज किया और आत्मनिर्भर भारत के विजन की दिशा में काम किया। हमारे प्रयासों से कोविड-19 का हमारी अर्थव्यवस्था पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा। आज भी भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए विकास का इंजन है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 14 क्षेत्रों को पीएलआई योजना का फायदा मिल रहा है। इस योजना के तहत 7.5 करोड़ यूनिट को मंजूरी दी गई है। इससे 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है, 13 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रोडक्शन हुआ है और पांच लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का एक्सपोर्ट हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग यात्रा में आरएडंडी का अहम योगदान है। इसे और आगे बढ़ाने और गति देने की आवश्यकता है। आरएडंडी के द्वारा हम इनोवेटिव प्रोडक्ट्स पर फोकस कर सकते हैं, साथ ही प्रोडक्ट्स में वैल्यू एडिशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में एमएसएमई की संख्या बढ़कर 6 करोड़ से ज्यादा हो गई है।

पाकिस्तान को चीन की शह मिलने के बावजूद सीमा पार की स्थिति बहुत खराब : मुख्यमंत्री अब्दुल्ला

जम्मू, 04 मार्च। राज्य विधानसभा में नेशनल कॉन्फ्रेंस और भाजपा सांसदों के बीच हुई झड़प के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि कश्मीर के विभाजित हिस्सों के बीच कोई तुलना नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान को चीन की शह मिलने के बावजूद सीमा पार की स्थिति बहुत खराब है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर का हर हिस्सा बहुत विकसित है, लेकिन हमने अपनी सड़कें बनाने के लिए कभी भी चीन, अमेरिका, इंग्लैंड या फ्रांस से मदद नहीं मांगी।

मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी विपक्षी भाजपा और सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों को शांत करने के लिए की, जो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विकास को लेकर तीखी नोकझोंक कर रहे थे। अब्दुल्ला ने कहा कि सीमा पार के इलाकों में हुई प्रगति चीन से मिली मदद के कारण है। प्रश्नकाल के दौरान एनसी विधायक और पूर्व मंत्री सैफुल्लाह मीर ने कुपवाड़ा जिले के केरन और जुमागुंड के सीमावर्ती क्षेत्रों को सभी मौसम में संपर्क प्रदान करने के लिए एक सुरंग के निर्माण की वकालत की।

एनसी विधायक नजीर गुरेजी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के विधायक सज्जाद गनी लोन मीर के बचाव में आए, जिन्होंने स्थानीय लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया, खासकर सर्दियों के दौरान जब बर्फ कई महीनों तक सड़कों को काट देती है। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से सुनिश्चित किया। बाद में मीर की टिप्पणी की निंदा की और पार्टी नेता अब्दुल्ला से स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने (मीर) एक ऐसे देश की प्रशंसा की, जिसके साथ हमारा कोई राजनयिक संबंध नहीं है। हमारे देश ने चौंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए अपनी क्रिकेट टीम वहां नहीं भेजी और यह वह देश है जो भारत में अलगाववाद और आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

पठानिया ने विधानसभा के बाहर संवाददाताओं से कहा कि मीर की टिप्पणी चिंताजनक और निंदनीय है और मुख्यमंत्री को इस पर अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट करना चाहिए। उपराज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान जब भाजपा सदस्य शाम लाल शर्मा बोल रहे थे, तो मीर अपनी सीट से उठे और पठानिया द्वारा उन्हें देशद्रोही कहने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मेरा इरादा (कश्मीर के) दो हिस्सों के बीच तुलना करने का नहीं था। नेशनल कॉन्फ्रेंस एक ऐसी पार्टी है, जिसने देश के लिए सबसे ज्यादा बलिदान दिए हैं। हमारे कार्यकर्ता, विधायक और मंत्री आतंकवादी हमलों में मारे गए। गुरेजी भी मीर के बचाव में अपनी सीट से खड़े हो गए और कहा कि अगर किसी ने कोट पहना होता तो मेरे यह कहने में क्या गलत है कि उसने अच्छा कोट पहना है, जिससे सदन में हंगामा मच गया।

मुख्य सचिव द्वारा जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण क्षेत्र में ऋण पहुंच और निवेश बढ़ाने का आह्वान

जम्मू 04 मार्च। किसानों, उद्यमियों और ग्रामीण व्यवसायों को वित्तीय समावेशन और लक्षित ऋण सहायता की आवश्यकता पर बल देते हुए, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने बैंकों से अपनी पहुंच का विस्तार करने और वित्तीय योजनाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने यह बात राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा आयोजित यूटी क्रेडिट सेमिनार में कही। जहां बैंक ने 2025-26 के लिए जम्मू और कश्मीर के प्राथमिकता क्षेत्र के लिए अनुमानित 43,297.01 करोड़ रुपये की क्रेडिट क्षमता का खुलासा किया।

जम्मू में आयोजित सेमिनार में भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक चंद्रशेखर आजाद, जेएंडके बैंक के एमडी और सीईओ अमिताव चटर्जी और सरकारी विभागों और वित्तीय संस्थानों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मुख्य भाषण देते हुए, मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने क्रेडिट योजना में नाबार्ड के प्रयासों और यूटी फोकस पेपर को समय पर जारी करने की सराहना की, जो कृषि, एमएसएमई और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के लिए वित्त पोषण प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालता है।

उन्होंने कहा, सरकार सभी पंचायतों में वित्तीय पहुंच बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक पात्र किसान को किसान क्रेडिट कार्ड और प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना से लाभ मिले। उन्होंने बैंकों से समय पर ऋण भुगतान को प्रोत्साहित करने और युवाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वाईयूवीए जैसी सरकार समर्थित पहल में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया।

कृषि वित्तपोषण में चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए डुल्लू ने आधुनिक कृषि तकनीकों में पूंजी निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बैंकों से कृषि मशीनीकरण और आधुनिक सिंचाई, सेब, अखरोट और केसर की खेती और फसल के बाद के प्रसंस्करण और बाजार लिंकेज सहित बागवानी विस्तार जैसे क्षेत्रों में छोटे और सीमांत किसानों का समर्थन करने के लिए अभिनव वित्तीय मॉडल अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, कृषि प्रसंस्करण में निवेश ने पहले ही आशाजनक परिणाम दिखाए हैं, दूध उत्पादन में 20 प्रतिषत की वृद्धि हुई है। उत्पादकता को और बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और वित्तीय सहायता को एकीकृत करना समय की मांग है।

मुख्य सचिव ने स्वयं सहायता समूहों को अधिक से अधिक बैंकिंग सहायता देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, वित्तीय समावेशन और सूक्ष्म उद्यम विकास के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने से सतत आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने नाबार्ड और बैंकों से ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के प्रयासों को तेज करने का आग्रह किया। कृषि के अलावा, मुख्य सचिव ने पर्यटन को जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिए एक प्रमुख विकास चालक के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने कहा, सालाना 2 करोड़ से अधिक पर्यटकों के साथ, हमें बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी और टिकाऊ पर्यटन परियोजनाओं में निवेश करना चाहिए। सरकार ग्रामीण आजीविका को समर्थन देने के लिए परिवहन और लघु सिंचाई सुविधाओं को मजबूत करते हुए नए पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए मास्टर प्लान पर काम कर रही है।

रक्षा मंत्री ने देश की आंतरिक और बाहरी सुरक्षा की चुनौतियों के खतरों पर चेताया

नई दिल्ली, 04 मार्च । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की आंतरिक सुरक्षा के मुद्दे पर मंगलवार को कहा कि हमें आतंकवाद, अलगाववादी आंदोलन, वामपंथी उग्रवाद, सांप्रदायिक तनाव, सीमा पार से घुसपैठ और संगठित अपराध देखने को मिल रहे हैं। इसी तरह बाहरी सुरक्षा में अलग-अलग चुनौतियां हैं। पहले ये चुनौतियां सिर्फ पारंपरिक थीं, लेकिन अब हाइब्रिड युद्ध, साइबर और अंतरिक्ष आधारित चुनौतियों के खतरे हमारे सामने आ रहे हैं।

राजनाथ सिंह ने आज नई दिल्ली में आंतरिक सुरक्षा के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों पर एक सेमिनार में कहा कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा दोनों अलग-अलग चीजें नहीं हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। यह एक ही सिक्के के दो सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा को लेकर कई सारी एजेंसियां अलग-अलग हिस्सों में काम कर रही हैं। अलग-अलग दायित्व होने के बावजूद सबका साथ और आदर्श वाक्य एक ही है। उनका आदर्श वाक्य है, देश की सुरक्षा। उनका आदर्श वाक्य है, देश में शांति और उनका आदर्श वाक्य है, देश की प्रगति। इसलिए इस सम्मेलन का आयोजन न केवल प्रासंगिक है, बल्कि समय की आवश्यकता के अनुसार भी है।

रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया कि आंतरिक सुरक्षा और आपदा राहत कार्यों के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियां जैसे महत्वपूर्ण विषय के साथ दो दिवसीय सम्मेलन के सार्थक परिणाम हमारे सामने आएंगे।

कश्मीर के कुछ हिस्सों में ताजा बर्फबारी और बारिश

श्रीनगर, 4 मार्च । कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई जबकि घाटी के बड़े हिस्से में बारिश हुई ।

अधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि गुलमर्ग, पहलगाम, सोनमर्ग, कोकरनाग, कुपवाड़ा और बारामुल्ला के कुछ हिस्सों और कश्मीर के ऊंचाई वाले अन्य इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटों के दौरान श्रीनगर सहित घाटी में व्यापक बारिश दर्ज की गई। मौसम ने कश्मीर में दिन के तापमान को कम कर दिया जिससे घाटी में सामान्य अधिकतम तापमान में तीन से नौ डिग्री की गिरावट आई। मौसम विभाग ने कहा कि दिन में मौसम में सुधार होने की संभावना है और 10 मार्च तक मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा

आकाशीय बिजली गिरने से 30 पशुओं की मौत

जम्मू,, 4 मार्च । राजौरी जिले के कालाकोट इलाके में सोमवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से कम से कम 30 पशुओं की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि राजौरी जिले में भारी बारिश और गरज-चमक के कारण बिजली गिरने से एक पशु झुंड इसकी चपेट में आ गया, जिससे 30 बकरियों की मौत हो गई। ये बकरियाँ मोहम्मद सादिक पुत्र नजीर हुसैन निवासी जाता मलिया पंचायत सूम वार्ड नंबर 06 कालाकोट राजौरी की थीं।इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रभावित परिवार के लिए मुआवजे की मांग की है।

हंदवाड़ा में हीटर गैस रिसाव से वाहन में ड्राइवर की मौत

जम्मू,, 4 मार्च । हंदवाड़ा में एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां एक ड्राइवर को उसके वाहन के अंदर मृत पाया गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार हीटर गैस रिसाव के कारण दम घुटने से उसकी मौत हुई है।

मृतक की पहचान मुशर्रफ अली पुत्र शाहब दीन निवासी खुटवा जम्मू के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक उन्होंने रातभर कार हीटर चालू रखा जिससे संभवतः कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता के कारण दम घुटने से उनकी मृत्यु हो गई।

प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और मौत के वास्तविक कारण की पुष्टि के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से बंद वाहनों में हीटर का उपयोग करते समय सतर्कता बरतने की अपील की है ताकि इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

जीओसी 16 कोर नगरोटा ने मुख्य सचिव के साथ पूर्व सैनिकों के मुद्दे उठाए

जम्मू 04 मार्च। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू के नागरिक सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में नगरोटा स्थित 16वीं कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा, एवीएसएम, एसएम द्वारा उजागर किए गए पूर्व सैनिकों के मुद्दों और चिंताओं को सुना।

इस अवसर पर गृह विभाग के प्रमुख सचिव चंद्राकर भारती, ब्रिगेडियर कपिल तनेजा, वीएसएम ब्रिगेडियर ए 16 कोर, ब्रिगेडियर गुरमीत सिंह शान, निदेशक राज्य सैनिक बोर्ड और कर्नल तेजस बी कैंडेडे, एसएम, कर्नल जीएस एचआर 16 कोर भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव के साथ उठाई गई कुछ मुख्य मांगों में कैडर के उचित प्रबंधन के लिए जम्मू-कश्मीर के सभी पूर्व सैनिकों के डेटाबेस का संकलन और पूर्ण डिजिटलीकरण के अलावा भावी पीढ़ी के लिए रिकॉर्ड का संरक्षण और आसान रखरखाव शामिल है। उन्होंने अपनी सेवा के अंतिम वर्ष में 'पूर्व सैनिक' कोटा के तहत सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की अनुमति देने के लिए भी कहा क्योंकि भर्ती प्रक्रिया को पूरा होने में कुछ महीने लगते हैं जिससे उन्हें अपनी सेवा अवधि के अंत में शामिल होने का अवसर मिलता है।

लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण : राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 4 मार्च । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में दो दिवसीय विजिटर्स कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों की विशेष प्रतिभा और आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्था आधारित और लचीली शिक्षा प्रणाली का होना अत्यंत आवश्यक और चुनौतीपूर्ण है। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय लक्ष्य इस सदी के पूर्वार्ध के संपन्न होने के पहले ही भारत को एक विकसित देश बनाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शैक्षणिक संस्थानों से जुड़े सभी लोगों और विद्यार्थियों को वैश्विक सोच के साथ

आगे बढ़ना होगा। अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयासों और सहयोग को मजबूत करने से युवा विद्यार्थी 21वीं सदी की दुनिया में अपनी एक अधिक प्रभावी पहचान बना सकेंगे। देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में उत्कृष्ट शिक्षा की उपलब्धता से विदेश में अध्ययन करने की प्रवृत्ति में कमी आएगी।

विधानसभा में एलजी के अभिभाषण पर 'धन्यवाद प्रस्ताव' पर चर्चा शुरू

जम्मू 04 मार्च। जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा शुरू की, जिसे विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सदन के समक्ष पेश किया। मुबारक गुल द्वारा पेश प्रस्ताव का गुलाम अहमद मीर ने समर्थन किया। धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए मुबारक गुल ने कहा कि लोगों ने इस सरकार को भारी जनादेश दिया है। उन्होंने राज्य का दर्जा बहाल करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के लिए राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा अधिकार है। संबोधन के दौरान गुलाम अहमद मीर ने चुनावी प्रक्रिया में विश्वास दिखाने और विधानसभा चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में भाग लेने के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विधायकों से सदन के समय का विवेकपूर्ण उपयोग करने का भी आह्वान किया। शाम लाल शर्मा ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि हमारा दृष्टिकोण अपने संस्थानों को मजबूत बनाने और इस संबंध में सामूहिक रूप से काम करने का होना चाहिए। सज्जाद अहमद शाहीन ने जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए समग्र रोडमैप पेश करने के लिए सरकार की सराहना की। उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ शैक्षिक बुनियादी ढांचे के विकास का आह्वान किया। उन्होंने सभी विधायकों से राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया। फारूक अहमद शाह ने अपने संबोधन में कहा कि हमें सदन की गरिमा बनाए रखनी है और लोगों के कल्याण के लिए काम करना है। उन्होंने गुलमर्ग में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने, औद्योगिक विकास के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए एक नीति तैयार करने का भी आह्वान किया।

राष्ट्रीय केसर मिशन के तहत 2,548.75 हेक्टेयर केसर भूमि का कायाकल्प किया गया :जावेद डार

कृषि उत्पादन मंत्री जावेद अहमद डार ने विधान सभा में न्यायमूर्ति हसनैन मसूदी के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए बताया कि केसर पर राष्ट्रीय मिशन ने महत्वपूर्ण प्रगति की है, विशेष रूप से सिंचाई प्रणाली को मजबूत करते हुए, 2,548.75 हेक्टेयर केसर भूमि का कायाकल्प किया है।

मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने केसर क्षेत्र में गिरावट को सफलतापूर्वक रोक दिया है और इस फसल का क्षेत्रफल 2010-11 से 3,715 हेक्टेयर (कश्मीर संभाग में 3665 हेक्टेयर और किश्तवाड़ में 50 हेक्टेयर) पर बना हुआ है, एचएडीपी द्वारा समर्थित विस्तार के लिए अधिक क्षेत्रों की पहचान की गई है। उत्पादकता 2009-10 में 2.50 किलोग्राम/हेक्टेयर से बढ़कर 2023 के दौरान पुनर्जीवित क्षेत्रों में 4.42 किलोग्राम/हेक्टेयर की अधिकतम दर्ज उत्पादकता तक पहुंच गई है।

केसर पर राष्ट्रीय मिशन ने 124 सामुदायिक बोर-वेलों का एक नेटवर्क बनाने की योजना शुरू की। प्रत्येक बोर-वेल का उद्देश्य 30 हेक्टेयर क्षेत्र की सेवा करना है, जो कि सिंप्रकलर सिंचाई प्रणालियों से जुड़ा है, जो कुल 3,665 हेक्टेयर केसर खेतों की सिंचाई आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उन्होंने आगे बताया कि 85 बोर-वेल कृषि विभाग को सौंप दिए गए हैं, हालांकि, शेष 39 बोर-वेल के निर्माण के प्रयासों में महत्वपूर्ण बाधाओं का सामना करना पड़ा है। निविदाओं के लिए कई आमंत्रणों के बावजूद, निविदा प्रक्रिया में लगातार कम भागीदारी रही है। प्रतिक्रिया की इस कमी के परिणामस्वरूप आवश्यक सिंचाई बुनियादी ढांचे को और विकसित करने में काफी देरी हुई है।

केरन-जुमगुंड सुरंग के लिए डीपीआर तैयार किया जाएगा : उपमुख्यमंत्री

जम्मू 04 मार्च। उपमुख्यमंत्री सुरिन्द्र चौधरी ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान मीर सैफुल्लाह के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए कुपवाड़ा के केरन और जुमगुंड क्षेत्र को जोड़ने वाली सड़क पर सुरंग के निर्माण की मांग को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीपीआर भी तैयार कर संबंधित को भेज दी जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केरन सेक्टर बीआरओ द्वारा बनाए गए फ्रकियां गली से केरन रोड (46.76 किलोमीटर) के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के शेष केंद्र शासित प्रदेश से जुड़ा हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि सर्दियों के मौसम में बर्फ जमा होने के कारण

सड़क आंशिक रूप से बंद रहती है और केरन सेक्टर को कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए बीआरओ द्वारा नियमित रूप से बर्फ हटाने का काम किया जा रहा है।

उन्होंने कहा पीएमजीएसवाई रोड ज़िरहमा-जुमगुंड (लंबाई 25.00 किलोमीटर) एक उच्च ऊंचाई वाली सड़क है। हालांकि बर्फहटाने का काम नियमित रूप से किया जाता है, लेकिन भारी बर्फबारी के दौरान पहले 6 किमी से आगे सफाई अभियान मुश्किल हो जाता है और खराब दृश्यता, ठंढ, ऊपरी इलाकों से हिमस्खलन/बर्फ की स्लाइड के कारण मौसम में सुधार होने तक खासकर 17 से 20 किलोमीटर तक अस्थायी रूप से देरी हो जाती है।

साभार : अशोक कुमार मुनडेतिया

गैजेट्स

न बिगाड़ दें सेहत

इन दिनों हम हर वक्त किसी न किसी गैजेट से खुद को घिरा पाते हैं। ये गैजेट्स भले ही हमारी जिंदगी का हिस्सा बन चुके हैं, लेकिन हम इनकी वजह से कब बीमारियों से घिर जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इनके प्रभाव से कैसे करें अपना बचाव, बता रहे हैं पंकज घिल्डियाल

कंप्यूटर/लैपटॉप

आज कंप्यूटर के सामने बैठ कर काम करना मजबूरी भी है और कहीं-कहीं लत भी। इसके अधिक इस्तेमाल के कारण कई बार सेहत पर इसके दुष्प्रभाव भी देखने को मिलते हैं, जैसे शारीरिक सक्रियता का कम होना, नींद में कमी या स्लीप पैटर्न का गड़बड़ा जाना आदि। वहीं लैपटॉप के कारण गर्दन में दर्द एक बड़ी बीमारी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है। की-बोर्ड के नजदीक होने से झुकना पड़ता है। इससे गर्दन में खिंचाव होता है, जिससे दर्द होता है। कभी-कभी डिस्क भी खिसक जाती है।

टेलीविजन और लाइफ स्टाइल

क्या बच्चे, क्या बड़े, लोग घंटों टेलीविजन के सामने बैठ कर समय व्यतीत करते हैं। एक लेख के अनुसार लोगों द्वारा हर घंटे देखे गये टीवी से उनका जीवनकाल 22 सेकंड कम हो जाता है। हर भारतीय एक सप्ताह में औसतन 15-20 घंटे टीवी देखता है। कई शोधों में यह बात सामने आई है कि टीवी के सामने हर रोज दो घंटे बिताने से टाइप 2 डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा 20 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

वाईफाई/सेलफोन

अनेक अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि वायरलेस उपकरणों से निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगें कैंसर का कारण बनती हैं और मस्तिष्क को नुकसान पहुंचाती हैं। स्वीडन में हुए एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग 20 वर्ष से कम उम्र में मोबाइल फोन का उपयोग शुरू कर देते हैं, उनमें ब्रेन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। युवा आमतौर पर मोबाइल फोन से संगीत का आनंद उठाते हैं, लेकिन 85 डेसिबल से अधिक तेज ध्वनि किसी की भी सुनने की क्षमता को हमेशा के लिए खत्म कर सकती है। स्टीरियो हेडफोन से निकलने वाली तरंगें 100 डेसिबल तक पहुंच जाती हैं।

वीडियो गेम

वीडियो गेम में बच्चों का जबरदस्त क्रेज है। घंटों वीडियो से चिपके रहना सामान्य बात है। अधिक समय तक वीडियो गेम खेलने से बच्चों पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ते हैं। बच्चे जहां अधिक आक्रामक हो रहे हैं, वहीं दोस्तों से झगड़ना, आंखों की रोशनी कम होना, मोटापा बढ़ना आदि बहुत से प्रभाव देखने को मिल रहे हैं।

गुस्सैल न हो जाए आपका स्वभाव

लंदन यूनिवर्सिटी की एक रिसर्च के मुताबिक, जो लोग कंप्यूटर पर 4 घंटे या उससे ज्यादा समय बिताते हैं, उन्हें अन्य लोगों के मुकाबले दिल की समस्या होने की आशंका 125 फीसदी अधिक रहती है। रिसर्च में यह भी पता चला है कि कंप्यूटर पर ज्यादा समय बिताने वालों को मृत्यु का खतरा अन्य लोगों के मुकाबले 45 फीसदी ज्यादा होता है। इसी तरह अगर आप रोजाना मोबाइल पर 4 घंटे से ज्यादा बात करते हैं तो आपका स्वभाव गुस्सैल हो जाता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले की एक स्टडी पर गौर करें तो 70 प्रतिशत से अधिक कंप्यूटर यूजर्स को कंप्यूटर चश्मे की जरूरत पड़ती है।

दुष्प्रभाव से कैसे बचें

कंप्यूटर या लैपटॉप पर काम करते हुए हर दो घंटे के बाद एक ब्रेक लें या हर आधे घंटे के बाद दो-तीन मिनट के लिए अपनी आंखों को कंप्यूटर से हटा लें।

वीडियो गेम खेलने का समय और अवधि निर्धारित करें। कंप्यूटर के सामने बैठते समय हमारी पीठ सीधी हो, खासकर रीढ़ की हड्डी।

कंप्यूटर की स्क्रीन आंखों से 15 डिग्री नीचे की तरफ होनी चाहिए।

स्क्रीन से आंखों की दूरी दो फुट होनी चाहिए।

टीवी कभी भी अंधेरे में न देखें, वहां हमेशा पर्याप्त रोशनी बनाए रखें।

विशेषज्ञों का मानना है कि करीब 1 घंटा मोबाइल फोन के इस्तेमाल से मस्तिष्क में ग्लूकोज का संतुलन बिगड़ सकता है।

हमेशा बड़ी स्क्रीन के लैपटॉप का इस्तेमाल करें। इसके उपयोग से पॉश्चर पर ज्यादा दबाव नहीं आता।

लैपटॉप की स्क्रीन आंखों के समान लेवल या एंगल पर होनी चाहिए, ताकि आपको अपनी आंखें स्क्रीन पर रखने के लिए गर्दन को घुमाना या मोड़ना न पड़े।

मोबाइल फोन में बैक्टीरिया!

एक रिसर्च में पाया गया है कि मोबाइल फोन में टॉयलेट के फ्लश हैंडल से औसतन 18 गुना ज्यादा हानिकारक बैक्टीरिया होते हैं। इनकी वजह से पेट में गंभीर बीमारियां होने की आशंका रहती है। रिपोर्ट में पाया गया है कि ब्रिटेन में इस्तेमाल किए जा रहे मोबाइल फोन्स के 6.3 करोड़ में से 1.47 करोड़ यूजर्स को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गई हैं।

आर्थोस्कोपिक

सर्जरी दूर होंगी कंधे से जुड़ी समस्याए

क्रिकेट, बैडमिंटन, बास्केट बॉल, कराटे जैसे खेलों में युवाओं की बढ़ती गतिविधियों के कारण देश के युवा वर्ग की जीवन-शैली भी तेजी से बदल रही है। इससे स्वास्थ्य समस्याओं की पहले से ही लंबी सूची में जोड़ों के लिगामेंट

टूटने, मांसपेशियों से संबंधित दिक्कतें, हड्डियों के कार्टिलेज खराब होने जैसी कई परेशानियां जुड़ गई है।

युवाओं में कंधे का डिसलोकेशन (कंधे का अपने नियत स्थान से खिसक जाना) और इससे जुड़ी दूसरी बीमारियां और मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों व बुजुर्गों में फ्रोजन शोल्डर (कंधा जाम होना या कंधा घुमाने में

दर्द होना) और शोल्डर रोटेटर कफ टीयर (सिर के ऊपर वस्तु उठाने में दिक्कत होना) नामक रोग अब तेजी से बढ़ रहे हैं। अतीत में लोग इन समस्याओं को बर्दाश्त कर लेते थे और जीवन-शैली से समझौता कर लेते थे।

ऐसा इसलिए, क्योंकि तब एक ही विकल्प उपलब्ध था- बड़ी ओपन सर्जरी। इस सर्जरी की सबसे बड़ी समस्या यह थी कि इससे कंधे का मूवमेंट सीमित हो जाता था, लेकिन वर्तमान दौर में लोगों की अपेक्षा रहती है कि

कंधे का मूवमेंट सीमित न रहे। वर्तमान दौर में आज एमआरआई जांच और आर्थोस्कोपिक

सर्जरी के जरिये कंधे से संबंधित उपर्युक्त रोगों का इलाज कारगर ढंग से संभव है।

'की होल' सर्जरी

अब 'की होल' सर्जरी द्वारा छोटे चीरे से ही इस समस्या का अच्छी तरह इलाज किया जा सकता है। इससे न सिर्फ जटिलताएं कम होती हैं बल्कि परिणाम भी अच्छा हासिल होता है। साथ ही, स्वास्थ्य-लाभ (रिकवरी) भी काफी तेज होता है। कंधों के इलाज के लिए अतीत में देश के क्रिकेटर विदेश जाते रहे हैं। अब यह सब कुछ भारत में किया जा रहा है।

युवाओं की समस्याएं

युवाओं में कंधे की जो समस्याएं सबसे आम हैं, उनमें एक है कंधे का बार-बार अपने नियत स्थान से हट जाना। इस स्थिति को शोल्डर डिसलोकोशन कहते हैं। यह समस्या कंधे की संरचना के कारण है, क्योंकि कंधे का जोड़ (ज्वाइंट) एक अस्थिर जोड़ है। इसमें बॉल बड़ी और सॉकेट छोटा है। इसलिए एक बार कंधा डिसलोकेट हो जाए तो 10 में से 7 मामलों में

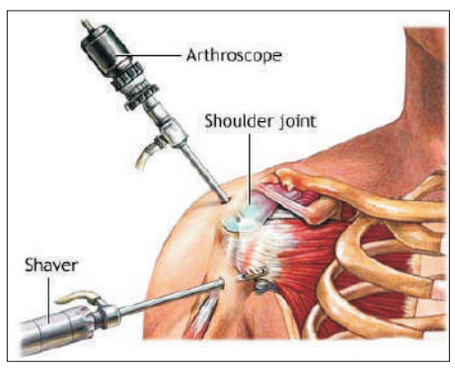

इसके फिर ऐसा होने की संभावना रहती है। पहले इस तरह की समस्याओं का कारण ही नहीं पता चलता था क्योंकि जांच के दौरान आमतौर पर कोई चिकित्सकीय संकेत नजर नहीं आता था। मरीज इनके साथ ही जीना सीख जाता था। आज एमआरआई और सी टी स्कैन से कंधे की संरचनात्मक जांच और आर्थोस्कोपिक सर्जरी से ज्यादातर मामलों में एनाटॉमिक रिपेयर या एनाटॉमिक रिकंस्ट्रक्शन द्वारा सफल निदान संभव है।

मिडिल एज की समस्याएं

मध्य आयु (मिडिल एज) के लोगों और खासकर डाइबिटीज के रोगियों में कंधा अक्सर सख्त या जाम हो जाता है। इसे फ्रोजन शोल्डर कहा जाता है। यह पीड़ित व्यक्ति के कार्यों को सीमित करने वाली बीमारी है और मरीज अक्सर करीब एक साल में पूरी तरह ठीक हो जाते हैं। कंधे के बीच कॉर्टिसोन (स्टेरॉयड) इंजेक्ट करके ठीक होने की अवधि को कम किया जा सकता है, लेकिन कंधे से संबंधित गंभीर मामलों में आर्थोस्कोपिक सर्जरी जरूरी हो जाती है।

मध्य आयु के और बुजुर्ग लोग कफ डिजीज से भी ग्रस्त होते हैं। कफ मांसपेशियों का एक समूह है, जो कंधे के मूवमेंट को नियंत्रित करता है। यह सिर से कंधे के ऊपर तक जाता है और अक्सर हड्डियों के बीच दब जाता है, जो कभी-कभी फट जाता है। इसे रोटेटर कफ टीयर कहते हैं। इस समस्या का सफल उपचार आर्थोस्कोपिक सर्जरी है।

सर्जरी के फायदे

आर्थोस्कोपिक सर्जरी कंधे की %की-होल% सर्जरी है, जहां जोड़ के अंदर के हिस्से को पेंसिल के आकार के एक पतले टेलीस्कोप से देखा जाता है। टेलीस्कोप से एक छोटा वीडियो कैमरा जुड़ा होता है और इस तरह जोड़ के अंदर का हिस्सा टीवी स्क्रीन पर देखा जा सकता है। यह सब एनेस्थेसिया देने के बाद दो या तीन छोटे सुराख के जरिए किया जाता है। चीरा या टांका लगाने की आवश्यकता नहीं होती। ऑपरेशन के बाद की अवधि में कम से कम असुविधा होती है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है। मरीज को सिर्फ एक दिन अस्पताल में रहना पड़ता है और वह हल्की पट्टी लगाकर घर आ सकता है।

सप्ताह भर के बाद कई पट्टियां हट जाती हैं और मरीज को प्रेरित किया जाता है कि वह कंधे को हिलाए। फिजियोथेरेपी से वापस हिलाने की ताकत और क्षमता हासिल करने में सहायता मिलती है।

ऐसे में न जाएं जिम

जिम में सभी फिट रहने के लिए जाते हैं, पर क्या आप जानते हैं कि जिम जाने से शरीर को नुकसान भी पहुंच सकता है? किन-किन स्थितियों में जिम जाने से बचना चाहिए, बता रही हैं।

जिम जाएं सेहत बनाने के लिए, न कि सेहत को नुकसान पहुंचाने के लिए। आपकी उम्र कम या अधिक है या आप गर्भवती हैं या फिर आप अक्सर दोपहर में जिम जाते हैं तो तुरंत सावधान हो जाएं।

अगर 14 साल से कम उम्र है

जिम 14 साल की उम्र के बाद ही जाना चाहिए। 14 वर्ष से कम उम्र में जिम में व्यायाम करने से बच्चों के शरीर को क्षति पहुंच सकती है, क्योंकि कम आयु में बच्चों की हड्डियां बहुत संवेदनशील होती हैं। उनकी मांसपेशियां और नसें भी नरम होती हैं। ऐसे में उन्हें जिम में हार्ड वर्कआउट करना नुकसानदायक होता है। यह शरीर के विकास पर भी बुरा असर डाल सकता है। इतना ही नहीं, यदि 15 से 20 वर्ष की उम्र में जिम जाना शुरू कर रहे हैं तो अपना बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) जरूर जांच करवा लें और उसके बाद डॉक्टर से सलाह लेकर ही जिम में एक्सरसाइज की शुरुआत करें।

दोपहर के समय जिम नहीं

जिम जाने के लिए बेहतर समय तो सुबह का ही है, पर आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपनी सहूलियत के मुताबिक जिम जाने लगे हैं। कोई सुबह जाता है तो कोई शाम को और कोई रात को। अगर आप सुबह वक्त नहीं निकाल पा रहे हैं तो शाम और रात का समय जिम में वर्कआउट के लिए फिर भी ठीक है, लेकिन दोपहर लगभग बारह बजे से चार बजे तक जिम जाने से बचें। इस समय आपका शरीर वर्कआउट के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं होता। अगर रात को आप खाना देर से खाते हैं तो ही रात को जिम जाएं और खाना खाने के बाद जिम में एक्सरसाइज बिलकुल न करें।

गर्भवती या मासिक धर्म होने पर

फिटनेस फिएस्टा की कोच गीता चौधरी बताती हैं कि महिलाओं के लिए जिम जाना अच्छा होता है। इससे भविष्य में उनकी सेहत को फायदा होता है, लेकिन गर्भवती महिलाओं को जिम जाने से गुरेज करना चाहिए। इसकी अपेक्षा वह योग या अन्य हल्के व्यायाम डॉक्टर से सलाह ले कर करें। इसके अलावा डिलीवरी होने के बाद भी पांच महीने तक जिम न जाएं। उसके बाद अपनी डिलीवरी रिपोर्ट जिम इंस्ट्रक्टर को दिखा कर उनकी सलाह के अनुसार जिम में व्यायाम शुरू करें। महिलाओं को मासिक धर्म के समय भी जिम नहीं जाना चाहिए, बल्कि मासिक धर्म का दर्द शुरू होने पर भी जिम न जाएं। उस समय महिलाओं में रक्त संचार तेज होता है, जिसमें जिम की एक्सरसाइज से महिलाओं को काफी परेशानी होती है। उन्हें कमजोरी महसूस हो सकती है, चक्कर आ सकते हैं।

45 पार कर गए तो

लगभग 45 की उम्र के बाद शरीर की शक्ति कम हो जाती है, साथ ही हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं। इस अवस्था में जिम में व्यायाम करने पर कई तरह की परेशानियां शरीर को सताती हैं। ऐसे में जिम सोच-समझ कर ही जाएं। यदि आप पहले से जिम नियमित तौर पर जाते रहे हैं तो 60 वर्ष की आयु तक भी जिम जा सकते हैं, क्योंकि ऐसे में शरीर में पहले ही स्ट्रेंथ बन जाती है।

कमर या पैर की तकलीफ में

कमर या पैर संबंधी गंभीर रोग या परेशानी होने पर जिम से परहेज करें। यही नहीं, किसी भी तरह की अंदरूनी बीमारी जैसे अटैक्स, पथरी आदि में भी जिम का व्यायाम नुकसानदायक हो सकता है। हो सके तो ऐसी परिस्थितियों में जिम को नजरअंदाज ही करें या अपने डॉक्टर की सलाह के बाद ही जिम में वर्कआउट करें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड मान्यता प्राप्त की

कठुआ 04 मार्च (हि.स.)। कठुआ में मृदा परीक्षण प्रयोगशाला को परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड द्वारा मान्यता प्राप्त हुई। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संजीव राय गुप्ता मुख्य कृषि अधिकारी कठुआ के नेतृत्व और सहायक मृदा रसायनज्ञ कठुआ अनिल कुमार और संपूर्ण एसटीएल कठुआ टीम के समर्पित प्रयासों से प्राप्त हुई। गौरतलब हो कि मृदा परीक्षण में रासायनिक सामग्री, विषाक्तता, पीएच स्तर, लवणता और अन्य जैसे मापदंडों के लिए खेत का विश्लेषण किया जाता है। मृदा परीक्षण से रासायनिक संदूषण, कार्बनिक सामग्री और विद्युत चालकता के बारे में भी जानकारी मिल सकती है।

मृदा परीक्षण कृषि उत्पादकता और पर्यावरण प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण घटक है। यह पोषक तत्व सामग्री, संरचना और मिट्टी के पीएच स्तर और संदूषण के स्तर जैसी अन्य विशेषताओं को निर्धारित करने में मदद करता है। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला कठुआ ने मृदा स्थूल और सूक्ष्म पोषक तत्वों के परीक्षण के लिए सरकारी मृदा परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए मान्यता कार्यक्रम के अनुसार परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड से मान्यता प्राप्त की है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत स्वायत्त निकाय एनएबीएल विभिन्न क्षेत्रों में परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं को मान्यता प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध है। भारतीय गुणवत्ता परिषद के एक घटक बोर्ड के रूप में एनएबीएल परीक्षण प्रयोगशालाओं की प्रभावकारिता और गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए कठोर मानक निर्धारित करता है। एनएबीएल एक प्रमाणन है जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयोगशालाओं में बुनियादी ढाँचा और प्रक्रियाएँ हैं जिन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया जाता है।

शक्ति केंद्र प्रमुख भाजपा के संगठनात्मक ढांचे के प्रमुख सदस्य : भाजपा नेता

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। शक्ति केंद्र प्रमुखों को भाजपा के संगठनात्मक ढांचे की रीढ़ बताते हुए भाजपा के त्रिकुटा नगर मंडल के अध्यक्ष नीतीश महाजन ने कहा कि पार्टी की ताकत जमीनी स्तर पर है। वे मंगलवार को आयोजित त्रिकुटा नगर मंडल (बहू निर्वाचन क्षेत्र) के वार्ड नंबर 52 के शक्ति केंद्र प्रमुखों और बूथ अध्यक्षों की बैठक में बोल रहे थे। महाजन ने जोर देकर कहा कि भाजपा मेरा बूथ सबसे मजबूत, बूथ जीता चुनाव जीता की विचारधारा में दृढ़ता से विश्वास करती है। उन्होंने कहा कि बैठक का प्राथमिक उद्देश्य बूथ अध्यक्षों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष सत शर्मा और बहू निर्वाचन क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा के नेतृत्व में भविष्य की विकास योजनाओं में उनके फीडबैक को शामिल करना था। बैठक के दौरान जमीनी स्तर पर पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा की गई। बूथ प्रबंधन, पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करने और भाजपा की नीतियों और कल्याणकारी योजनाओं को आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में तेरहवें रेडियोसॉन्ड का प्रक्षेपण रहा सफल

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी, इसरो) और सीयूजे के बीच हुए समझौता ज्ञापन के तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र से तेरहवें रेडियोसॉन्ड का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। यह प्रक्षेपण कुलपति प्रो. संजीव जैन के मार्गदर्शन में किया गया जो वायुमंडलीय और अंतरिक्ष अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रक्षेपण का नेतृत्व सतीश धवन अंतरिक्ष विज्ञान केंद्र के संयोजक प्रो. विनय कुमार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख प्रो. राकेश कुमार झा ने संकाय सदस्यों, तकनीकी कर्मचारियों, छात्रों और शोधकर्ताओं की एक समर्पित टीम के साथ किया। पिशारोटीसोंडे (रेडियोसॉन्ड) से सुसज्जित मौसम गुब्बारा उन्नत सेंसर और जीपीएस तकनीक का उपयोग करके तापमान, सापेक्ष आर्द्रता, दबाव, हवा की गति, हवा की दिशा, ऊंचाई, समय और स्थान को मापेगा। एकत्रित डेटा मौसम संबंधी अध्ययन, जलवायु परिवर्तन अनुसंधान

और अंतरिक्ष अन्वेषण में सहायक होगा। गौरतलब है कि यह मिशन भारतीय रेडियोसॉन्ड सॉफ्टवेयर (इंड्रेस) द्वारा संचालित है जो कि इसरो द्वारा विकसित किया गया है। सेमी-कंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल), मोहाली में स्वदेशी रूप से विकसित यह रेडियोसॉन्ड ग्राउंड स्टेशन, डॉ. कमलजीत सिंह और नेमी चंद के नेतृत्व में मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप है। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. संजीव यादव और डॉ. प्रवेश पाल ने किया जिसमें डॉ. हनीत कौर, महक महाजन, अमृत, बी. बिनेश, सोनम, अनुभव, प्रशांत, हृदेश, प्रीमिका, सनातन, राजवीर, प्रत्यूष और टीम सहित संकाय और तकनीकी कर्मचारियों का सहयोग रहा। एकत्रित आंकड़े एनआईसीईएस (आरएएनएन) परियोजना के लिए रेडियोसॉन्ड नेटवर्क के अंतर्गत जलवायु और पर्यावरण अध्ययन के लिए राष्ट्रीय सूचना प्रणाली (एनआईसीईएस) में योगदान देंगे जिसमें एनआरएससी, अंतरिक्ष विभाग (इसरो), हैदराबाद के वैज्ञानिक डॉ. हरीफ बाबा शैब के सहयोग से योगदान दिया जाएगा।

पुलिस ने लापता महिला को ढूंढ निकाला और उसे उसके परिवार से मिलाया

डोडा, 4 मार्च (हि.स.)। अनीता देवी पत्नी संजय सिंह निवासी जाटवान गनिका तहसील भगवाह जिला डोडा की गुमशुदगी की रिपोर्ट 12.02.2025 को पीएस डोडा के पीपी भगवाह में दर्ज की गई थी और अब उसे ढूंढ लिया गया है और उसे उसके परिवार से मिला दिया गया है।

अधिकारियों ने विवरण देते हुए कहा है कि अनीता देवी पत्नी संजय सिंह निवासी जाटवान गनिका तहसील भगवाह जिला डोडा लापता हो गई थी और उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट 12.02.2025 को पीएस डोडा के पीपी भगवाह में दर्ज की गई थी।

उसके लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई और एसएसपी डोडा संदीप मेहता जेकेपीएस के निर्देश पर डीएसपी मुख्यालय डोडा और एसएचओ पीएस डोडा की देखरेख में आईसी पीपी भगवाह के नेतृत्व में पीएस डोडा से लापता लड़की की तलाश में एक टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने सभी संभव साधनों के साथ-साथ तकनीकी मदद का उपयोग करके और जम्मू में उसकी मौजूदगी के बारे में कुछ सुराग मिलने के बाद आज 04-03-2025 को जम्मू से उसे खोजने में सफलता प्राप्त की।

सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद लड़की को उसके परिवार को सौंप दिया गया है और गुमशुदगी की रिपोर्ट बंद कर दी गई है

छात्राओं को महिला सशक्तिकरण पर किया गया जागरूक

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। सामाजिक जागरूकता और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत भारतीय सेना ने पुंछ के सरकारी बालिका उच्च विद्यालय हरनी में महिला सशक्तिकरण पर एक व्याख्यान आयोजित किया। इस सत्र का उद्देश्य युवा लड़कियों को उनके अधिकारों और उनके कल्याण के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी पहलों के बारे में शिक्षित और प्रेरित करना था।

इस कार्यक्रम में 57 छात्राओं और 8 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। व्याख्यान में शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आर्थिक स्वतंत्रता सहित महिला सशक्तिकरण के प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया। साथ ही लैंगिक समानता के महत्व और सभी रूपों में भेदभाव को चुनौती देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

इस पहल को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा जिन्होंने क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति को बढ़ावा देने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की सराहना की। ऐसे प्रयासों के माध्यम से भारतीय सेना समुदायों के उत्थान और सकारात्मक बदलाव को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

पूर्व सैनिकों के साथ बैठक कर जानी उनकी समस्याएं

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। हाल ही में डुग्गा में पूर्व सैनिकों के साथ बैठक नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें आस-पास के क्षेत्रों से सेवानिवृत्त सैनिकों और विधवाओं को एक साथ लाया गया ताकि उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके और राष्ट्र के लिए उनकी सेवा का सम्मान किया जा सके। कार्यक्रम की शुरुआत एक स्मारक सेवा के साथ हुई जिसमें उन शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई जिन्होंने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इस सभा में आस-पास के गांवों से 20 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया।

इसके बाद एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया जहाँ भारतीय सेना ने उपस्थित लोगों के साथ बातचीत की और सेवानिवृत्ति के बाद उनके सामने आने वाली चुनौतियों को समझा। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और उनके आश्रितों के लिए रोजगार के अवसरों सहित प्रमुख कल्याणकारी पहलों पर चर्चाएँ केंद्रित रहीं।

ट्रांसफार्मर की मरम्मत न होने पर जनता का प्रदर्शन

जम्मू,, 4 मार्च (हि.स.)। अनंतनाग जिले के डायलगाम में शक्ति विकास विभाग द्वारा एक साल से अधिक समय से खराब ट्रांसफार्मर की मरम्मत न होने के आरोप में स्थानीय निवासियों ने बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया।

घटना के दौरान, ग्रामीणों ने अनंतनाग-दूरू सड़क पर अवरोध लगाकर कई घंटों तक यातायात बाधित कर दिया ताकि अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया जा सके। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस पवित्र महीने से ही और इफ्तारी के समय लगातार अंधेरे में रहना पड़ रहा है।

मीडिया से बातचीत करते हुए स्थानीय निवासी इंजीनियर इरफ़ान ने कहा कि हमारे इलाके का ट्रांसफार्मर छह महीने से भी अधिक समय से खराब है जिसके कारण हम अंधेरे में हैं।

एक अन्य निवासी मेहबूब-उल-आलम ने आरोप लगाया कि हर बार विभाग हमारी मांगों का मज़ाक उड़ाते हुए वही या खराब ट्रांसफार्मर भेजता है जो थोड़ी ही देर में फिर से खराब हो जाते हैं। निवासियों का कहना है कि नियमित बिजली शुल्क का भुगतान करने के बावजूद समस्या बनी हुई है। प्रभावित 100 से अधिक परिवारों के लिए वे एक नया और उच्च क्षमता वाला ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

मक्खन दीन मामले में उप-न्यायाधीश कठुआ ने एसएचओ बिलावर से एटीआर मांगी

कठुआ 04 मार्च (हि.स.)। एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में उप-न्यायाधीश विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट कठुआ अमनदीप कौर ने एसएचओ पुलिस स्टेशन बिलावर को मखन दीन पुत्र मोहम्मद मुरीद निवासी गांव भटोडी तहसील बिलावर जिला कठुआ की हिरासत में यातना के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग करने वाली दो शिकायतों में कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब हो कि एक शिकायत मृतक माखन दीन (मोहम्मद मुरीद) के पिता और माखन दीन की विधवा जूना बेगम द्वारा दर्ज कराई गई है और दूसरी शिकायत अधिवक्ता मोहम्मद अनवर चैधरी और शेख शकील अहमद द्वारा दर्ज कराई गई है। दोनों शिकायतें अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया के माध्यम से दर्ज कराई गई हैं। जब ये दोनों शिकायतें उप-न्यायाधीश विशेष मोबाइल मजिस्ट्रेट कठुआ अमनदीप कौर के समक्ष सुनवाई के लिए आईं तो शिकायतकर्ताओं की ओर से उपस्थित अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया ने कहा कि बिलावर पुलिस स्टेशन के एसएचओ और कठुआ के एसएसपी से संपर्क करने के बावजूद मखन दीन की हिरासत में यातना की प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई जबकि प्रथम दृष्टया आरोपी के खिलाफ संज्ञेय अपराध बनते हैं और इसने शिकायतकर्ताओं को धारा 175 (3) बीएनएसएस 2023 के तहत इस न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का आह्वान करने के लिए मजबूर किया।

अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया ने कहा कि 26 वर्षीय आदिवासी लड़का मखन दीन और उसके पिता मोहम्मद मुरीद को बिलावर पुलिस की हिरासत में रहते हुए थर्ड डिग्री यातना दी गई। उन्होंने कहा कि बीती 4 फरवरी 2025 को मोहम्मद शफी और लकी नामक दो पुलिस अधिकारियों ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर पूरी रात मखन दीन और उसके पिता मोहम्मद मुरीद को प्रताड़ित किया ताकि उन्हें आतंकवादियों की विध्वंसक गतिविधियों से संबंध रखने का बयान देने के लिए मजबूर किया जा सके। सुनवाई के दौरान एडवोकेट अप्पू सिंह सलाथिया ने हिरासत में पुलिस ज्यादतियों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के प्रसिद्ध फैसले का हवाला दिया, जिसका शीर्षक डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य और अन्य था जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने गिरफ्तारी या हिरासत में पूछताछ करते समय पुलिस अधिकारियों के लिए दस से अधिक दिशानिर्देश निर्धारित किए थे।

एडवोकेट अप्पू सिंह सलाथिया ने आगे कहा कि हाल ही में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस अहसान-उद-दीन अमानुल्लाह की सर्वोच्च न्यायालय की खंडपीठ ने आरोपियों को गिरफ्तार करने और हिरासत में लेने के दौरान संवैधानिक और वैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन नहीं करने के लिए जांच एजेंसियों और पुलिस के आचरण पर नाराजगी व्यक्त की। उक्त पीठ ने आगे कहा कि यह दुखद है कि आज भी इस अदालत को डीके बसु के मामले में सिद्धांतों और निर्देशों को दोहराने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया ने ललिता कुमारी बनाम यूपी राज्य और अन्य शीर्षक वाले संवैधानिक पीठ के फैसले का भी उल्लेख किया जिसमें सर्वोच्च न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने फैसला सुनाया कि जब कोई शिकायत किसी संज्ञेय अपराध के होने का खुलासा करती है तो एफआईआर अनिवार्य रूप से दर्ज की जानी चाहिए और वर्तमान मामले में बिलावर पुलिस ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का उल्लंघन किया है।

जीडीसी महानपुर ने मानसर झील पर पिकनिक का आयोजन किया

कठुआ 04 मार्च (हि.स.)। जीडीसी महानपुर की पिकनिक टूर कमेटी ने कॉलेज के छात्रों के लिए मानसर झील पर पिकनिक का आयोजन किया। पिकनिक का आयोजन कॉलेज की प्रिंसिपल प्रोफेसर संगीता सूदन की देखरेख में डॉ. जोगबिंदर सिंह सूदन ने किया। प्रिंसिपल ने बताया कि पिकनिक छात्रों को नियमित स्कूली दिनचर्या से एक बहुत जरूरी ब्रेक प्रदान करते हैं, जिससे वे आराम कर सकते हैं और खुद को तरोताजा कर सकते हैं। पिकनिक छात्रों को अपने सहपाठियों और शिक्षकों के साथ जुड़ने, रिश्तों और सामाजिक कौशल को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करते हैं। पिकनिक में 80 से अधिक छात्र शामिल हुए। उपस्थित संकाय सदस्यों में डॉ. मोहिंदर नाथ शर्मा, डॉ. सपना देवी, डॉ. रूपाली जसरोटिया, प्रोफेसर दिव्या राजपूत, प्रोफेसर नमिता ट्रोगिया, डॉ. निशु, प्रोफेसर बबली कुमारी, मंगो राम, रोमेश लाल, शिबू दीन शामिल थे।

डीसी ने महिला बाइकर्स की नशा मुक्त भारत रैली को दिखाई हरी झंडी

जम्मू,, 4 मार्च (हि.स.)। नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, पूंछ के उपायुक्त विकास कुंडल ने आज डाक बंगला पूंछ से 15 महिला बाइकर्स की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नशा मुक्त भारत नामक इस रैली का उद्देश्य नशे के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रेरित करना है।

इस कार्यक्रम का आयोजन जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा किया गया जिसमें महिला बाइकर्स ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। ये बाइकर्स पूरे शहर और आस पास के क्षेत्रों से गुजरते हुए नशे के खिलाफ संदेश फैलाएंगी। इस रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को यह बताना है कि नशा व्यक्ति परिवार और समाज पर कितना बुरा प्रभाव डालता है।

इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी वकील अहमद भट भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस नेक पहल के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया।

एनजीओ एंटी क्राइम ने एसडीपीओ से की मुलाकात, नशे और अपराधों पर चर्चा

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। क्षेत्र में बढ़ते नशे और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एनजीओ एंटी क्राइम ने आर.एस. पुरा के उप मंडलीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) गुरमीत सिंह (जेकेपीएस) से मुलाकात की। यह बैठक एनजीओ के चेयरमैन शाम लाल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें नशे की बढ़ती समस्या और इसे रोकने के लिए उठाए जाने वाले सामूहिक कदमों पर चर्चा की गई। इस बैठक में एनजीओ के स्टेट प्रेसिडेंट साहिल गुप्ता, एएसआई नरेश डिगरा, राकेश कुमार, विजय कुमार, रतन लाल, रोहित कुमार और अन्य सदस्य मौजूद थे। उन्होंने क्षेत्र में नशे की बढ़ती समस्या पर चिंता व्यक्त की और बताया कि यह समाज, विशेष रूप से युवाओं, पर कितना बुरा प्रभाव डाल रही है। बैठक के दौरान एनजीओ के प्रतिनिधियों ने पुलिस द्वारा अपराधों को नियंत्रित करने के प्रयासों की सराहना की और आश्वासन दिया कि वे जागरूकता बढ़ाने और इन समस्याओं को रोकने के लिए स्थानीय समर्थन जुटाने में पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने ड्रग तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया। एसडीपीओ गुरमीत सिंह ने एनजीओ की इस पहल का स्वागत किया और अपराध नियंत्रण में समुदाय की भागीदारी को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नागरिकों और सामाजिक संगठनों से कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने का आग्रह किया।

पेयजल और बिजली संकट को लेकर प्रदर्शन

जम्मू,, 4 मार्च (हि.स.)। पुलवामा के जदूरा गांव के निवासियों ने पीडीडी और पीएचई विभाग के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों का कहना है कि गांव में कई वर्षों से पीने के पानी की भारी कमी बनी हुई है।

जल शक्ति विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाकर जल आपूर्ति योजना बनाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद गांव की आबादी आज भी पूरी तरह पेयजल से वंचित है। इसके अलावा, क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की स्थिति भी बेहद खराब है। बिजली की ट्रांसमिशन लाइनें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं लेकिन प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। गांववासियों ने डिप्टी कमिश्नर पुलवामा से अपील की है कि जल आपूर्ति योजना में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है

कुलगाम में पुल निर्माण कार्य अंतिम चरण में, चावलगाम पुल का जल्द होगा उद्घाटित

जम्मू,, 4 मार्च (हि.स.)। कुलगाम जिले में कई महत्वपूर्ण पुलों का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच चुका है जिससे क्षेत्र में संपर्क और परिवहन व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। इन बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्देश्य यातायात की भीड़ को कम करना और लोगों को सुगम परिवहन सुविधा प्रदान करना है।

जिला विकास आयुक्त कुलगाम अथर आमिर खान ने बातचीत में पुष्टि की कि चावलगाम पुल का उद्घाटन इसी महीने किया जाएगा। यह पुल जिले में यातायात के निर्बाध प्रवाह और बेहतर संपर्क के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा। इसके अलावा चंबगुंड पुराने पुल का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है जिससे स्थानीय निवासियों को बेहतर यातायात सुविधा मिल सकेगी। वहीं नए ब्राजलू पुल का कार्य भी तेज़ी से जारी है और प्रशासन समय पर परियोजना पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। जिला प्रशासन ने सभी अधूरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया है जिससे जनता को आधुनिक और प्रभावी परिवहन सुविधाएं मिल सकें।

विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक विज्ञान प्रयोगशाला उपकरण वितरित किए

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। शिक्षा और वैज्ञानिक शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय सेना ने पुंछ के मेंढर में मॉडल अकादमी सागरा को आवश्यक विज्ञान प्रयोगशाला उपकरण वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान में व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम में स्कूल के अधिकारी, शिक्षक, छात्र और भारतीय सेना के जवान मौजूद थे। दान किए गए उपकरणों में माइक्रोस्कोप, लैब ग्लासवेयर, भौतिकी किट, रासायनिक अभिकर्मक और जैविक मॉडल शामिल थे जिससे छात्र व्यावहारिक प्रयोग कर सकें और वैज्ञानिक अवधारणाओं की अपनी समझ को गहरा कर सकें। यह प्रयास भारतीय सेना के ऑपरेशन सद्भावना का हिस्सा है जो विकास को बढ़ावा देने और दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में शैक्षिक अंतराल को पाटने पर केंद्रित एक सद्भावना पहल है। इस अवसर पर बोलते हुए स्कूल के प्रिंसिपल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा भारतीय सेना द्वारा किया गया यह उदार योगदान हमारे विज्ञान पाठ्यक्रम को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध करेगा और छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा के लिए बहुत जरूरी अनुभव प्रदान करेगा।

कार्यक्रम का समापन शिक्षकों और छात्रों द्वारा नए प्रयोगशाला उपकरणों के लाइव प्रदर्शन के साथ हुआ जो वैज्ञानिक अन्वेषण के लिए उनके उत्साह और जोश को दर्शाता है।

जम्मू कश्मीर के कई जिलों में विकसित भारत युवा संसद का होगा आयोजन

जम्मू, 4 मार्च (हि.स.)। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में जिला युवा अधिकारी खुशाल गुप्ता ने घोषणा की कि भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय देश भर के 301 नोडल जिलों में विकसित भारत युवा संसद का आयोजन कर रहा है। यह प्रैसवार्ता उधमपुर में की गई थी। इस वर्ष इस आयोजन को देश के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप पुनर्गठित किया गया है। कार्यक्रम के लिए आवेदन अब खुले हैं और 18-25 वर्ष की आयु के युवा 9 मार्च से पहले आवेदन कर सकते हैं।

इस पहल का उद्देश्य युवाओं को सार्वजनिक चर्चाओं में शामिल करना, उन्हें सामाजिक मुद्दों को समझने, राय बनाने और अपने विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। नए प्रारूप पर प्रकाश डालते हुए गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय युवा संसद जिसे अब विकसित भारत युवा संसद के रूप में जाना जाता है, माई भारत पोर्टल पर एक आभासी पंजीकरण प्रक्रिया के साथ शुरू होगी। आवेदकों को इस प्रश्न का उत्तर देते हुए एक मिनट का वीडियो प्रस्तुत करना होगा- विकसित भारत का आपके लिए क्या अर्थ है? इसके बाद एक स्क्रीनिंग कमेटी प्रत्येक जिले से 150 प्रतिभागियों को शॉर्टलिस्ट करेगी जिन्हें एक राष्ट्र, एक चुनाव- विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करना विषय पर शारीरिक विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

77 पुलिस अधिकारियों को नए आपराधिक कानूनों पर प्रशिक्षण दिया गया

कठुआ 04 मार्च (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने मंगलवार को जिला पुलिस लाइन्स कठुआ के कॉन्फ्रेंस हॉल में कठुआ पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, सीआईडी के अधिकारियों के लिए नए आपराधिक कानूनों पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम क्रैश कोर्स का समापन किया जोकि 28-02-2025 से शुरू हुआ था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को तीन नए आपराधिक कानूनों से परिचित कराना है। कठुआ पुलिस के मास्टर ट्रेनरों ने कठुआ पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, सीआईडी के 77 पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान राजपत्रित पुलिस अधिकारियों और

वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी डीपीओ कठुआ द्वारा विशेष व्याख्यान भी दिए गए। प्रशिक्षण अवधि के दौरान नए आपराधिक कानूनों पर व्याख्यान दिए गए, जैसे कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए), जिन्होंने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन डीएसपी मुख्यालय कठुआ (नोडल अधिकारी) रविंदर सिंह ने किया और एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना-आईपीएस की समग्र देखरेख में आयोजित किया गया।

संपादकीय

रोगी कल्याण के लिए डीएचएसजे दिशा-निर्देशों को लागू करें

यह आश्चर्यजनक है कि चिकित्सा पेशे को महान माना जाने के बावजूद, सरकार को कई मौकों पर सख्त कदम उठाने पड़ते हैं और रोगी कल्याण को सुनिश्चित करने तथा इस पेशे में कुछ संस्थाओं द्वारा लोगों को विभिन्न तरीकों से धोखा देने या गुमराह करने से रोकने के लिए संशोधित दिशा-निर्देश जारी करने पड़ते हैं।

इस संदर्भ में, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, जम्मू द्वारा दिशा-निर्देशों का एक और सेट जारी किया गया है, जिसमें चिकित्सकों से कहा गया है कि वे सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में आने वाले रोगियों को परामर्श प्रदान करते समय एक निश्चित पाठ्यक्रम अपनाएं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नुस्खों में लिखी दवाओं के बारे में भ्रम की संभावना कम से कम हो और अच्छे स्वास्थ्य की तलाश में चिकित्सा पेशेवर से सहायता के लिए संपर्क करने वालों के मन में एक स्पष्ट तस्वीर आए।

रिपोर्ट के अनुसार, इस संबंध में जारी दिशा-निर्देशों में विभिन्न सरकारी अस्पतालों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और चिकित्सा अधीक्षकों को निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग जम्मू संभाग के अस्पतालों को निर्देशों/दिशानिर्देशों का पालन करना होगा, जिसमें पर्चे बड़े अक्षरों में लिखना शामिल है, ताकि मरीजों को पता हो कि उन्हें कौन सी दवा लिखी गई है, ताकि गलत दवा और केमिस्टों द्वारा धोखाधड़ी की संभावना को खत्म किया जा सके, भारतीय चिकित्सा परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियमन, 2002 के प्रावधानों/दिशानिर्देशों का पालन करते हुए दवाओं के केवल जेनेरिक नामों का उल्लेख किया जा सके और अपने संबंधित जिलों/स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सा कानूनी रिपोर्ट भी बड़े अक्षरों में लिखने के अलावा रोग का विवरण प्रदान किया जा सके। यदि इन दिशानिर्देशों को अक्षरशः लागू किया जाता है, तो रोगी कल्याण सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी, क्योंकि इनके अभाव में लोगों के साथ धोखाधड़ी और बेईमानी से मरीजों को ठगने की संभावना काफी अधिक है। अब यह देखना है कि इन दिशानिर्देशों को जमीनी स्तर पर कितनी अच्छी तरह से काम करने दिया जाएगा, ताकि लोगों को विशेष रूप से अशिक्षित लोगों को धोखाधड़ी के दुख से बचाया जा सके और कई मुद्दों पर भ्रमित रहने से बचाया जा सके। यह सलाह दी जाती है कि पूरे केंद्र शासित प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को सार्थक रूप से बढ़ाने के लिए डीएचएसके द्वारा घाटी में भी इसी तरह के दिशानिर्देशों को लागू किया जाना चाहिए। जब तक सभी चिकित्सक अपने पेशे की गरिमा पर विचार नहीं करेंगे, तब तक शीर्ष पर बैठे लोगों को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को मजबूत बनाने और जम्मू-कश्मीर के लोगों के लिए मददगार बनाने के लिए ऐसे कदम उठाने होंगे।

मास्टर छोटूराम: गायन-लेखन और शिक्षण के सारथी

इन सबके अलावा मास्टर छोटूराम यूट्यूब एवं सोशल मीडिया के जरिये भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़े किस्सों को वीडियो और ऑडियो के रूप में फ्री में शेयर करते हैं, ताकि प्राचीन संस्कृति को बचाया जा सके। हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रंगों को इन्होंने अपनी रागनियों और नाटकों में बखूबी पिरोया है। देशभर में आकाशवाणी एवं टीवी पर समय-समय पर इनके ये कार्यक्रम देखे-सुने जा सकते हैं। गायक कवि कलाकार मास्टर छोटूराम अपने सिद्धांतों और कला से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करते। आज जब नग्न संस्कृति गीतों और किस्सों में हावी है, तब भी इन्होंने अपने मूल्यों को बनाये रखा और हमारे ऐतिहासिक और पौराणिक किस्सों को जेब से पैसे लगाकर रिलीज़ करवाया है।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

प्राचीन समय से ही इंसान का विभिन्न कलाओं के प्रति अटूट रिश्ता रहा है। कभी कलाकारों के फ़न ने तो कभी कलाओं के मुरीद लोगों ने इस ज़माने में नए-नए रंग बिखेरे हैं। ये माना जाता है कि आत्मा की तरह कला अजर-अमर है, ये एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होती है और नया रूप लेती है। आज कला के रूप बदरंग हो गए हैं। कलाकार अपने उद्देश्यों से भटक गए हैं और पैसों के पीछे दौड़ पड़े हैं, जो एक तरह कला को बेचने जैसा है। आज कला के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता समाज को लील रही है। मगर इन सबके बीच आज भी देश में कुछ ऐसे कलाकार हैं जो भारत की प्राचीन सभ्यता को नए रंग देकर उन आदर्श और मूल्यों को बचाने की कोशिश में लगे हैं। जी हाँ, उनमें से एक है हरियाणा के भिवानी जिले के कस्बा सिवानी के गाँव बड़वा की माटी में जन्मे मास्टर छोटूराम।

किसान परिवार में जन्मे मास्टर छोटूराम का जीवन संघर्षों से भरा रहा है। उनके पिता स्वर्गीय रिछपाल गैदर किसान थे जिनसे इनको संघर्ष करने और धैर्य रख आगे बढ़ने की सीख मिली। छोटी उम्र में पिता का साया उठने के बाद भी ये अपनी पढ़ाई को जारी रखते हुए शिक्षा और कला के क्षेत्र में आगे बढ़ते गए। पिछले चार-पांच दशकों से मास्टर छोटूराम अपने लिखे गीतों के जरिये समाज को भारत की प्राचीन संस्कृति से जोड़ने का अतुल्य प्रयास कर रहे हैं। पेशे से सरकारी अध्यापक मास्टर छोटूराम एक आशु कवि और हरियाणवी-हिंदी के जाने माने गायक हैं। देशभर में हज़ारों स्टेज कार्यक्रम दे चुके मास्टर छोटूराम हमारे देश के वीर-शहीदों; शहीद भगतसिंह, सुभाष चद्र बोस, लाल बहादुर शास्त्री, शहीद उद्यम सिंह के साथ-साथ अन्य सपूतों की जीवनी को जब अपने गीतों और किस्सों के माध्यम से स्टेज पर प्रस्तुत करते हैं तो देशभक्ति की रसधार बहने लगती है। लोगों को आज सभ्य और जीवन मूल्यों से भरे गीतों को सुनने का सुनहरा अवसर मिलता है।

इन सबके अलावा मास्टर छोटूराम यूट्यूब एवं सोशल मीडिया के जरिये भारत की प्राचीन संस्कृति से जुड़े किस्सों को वीडियो और ऑडियो के रूप में फ्री में शेयर करते हैं, ताकि प्राचीन संस्कृति को बचाया जा सके। हरियाणवी संस्कृति के विभिन्न रंगों को इन्होंने अपनी रागनियों और नाटकों में बखूबी पिरोया है। देशभर में आकाशवाणी एवं टीवी पर समय-समय पर इनके ये कार्यक्रम देखे-सुने जा सकते हैं। गायक कवि कलाकार मास्टर छोटूराम अपने सिद्धांतों और कला से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करते। आज जब नग्न संस्कृति गीतों और किस्सों में हावी है, तब भी इन्होंने अपने मूल्यों को बनाये रखा और हमारे ऐतिहासिक और पौराणिक किस्सों को जेब से पैसे लगाकर रिलीज़ करवाया है।

बेशक आज के तड़क-भड़क वाले अश्लील वीडियो की तुलना में उनको कम शेयर किया गया है लेकिन वास्तव में उन्होंने हमारी धरोहर को सहेजने कि दिशा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। पितृभक्त श्रवण कुमार और फैशन की फटकार- इनके पहले दो ऑडियो एल्बम हैं जिनको लोग आज बीस साल बाद भी सुन रहे हैं और सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। कड़े गए वह नाथू-सुरजा हरियाणा की बदलती संस्कृति पर फ़िल्माया गया उनका सुपर हिट गीत है जिसे बहुत पसंद और शेयर किया गया है। ऐतिहासिक नरसी का भात किस्सा दर्शकों को पूरी रातभर सुनने को मजबूर कर देता है। वास्तव में अपनी प्राचीन कला को बनाये रखना बहुत बड़ी बात है। आज के दौर में युवा पीढ़ी यूट्यूब और अन्य सोशल प्लेटफार्म पर घटिया स्तर के वीडियो और ऑडियो पसंद करती नज़र आ रही है। ऐसे में मास्टर छोटूराम के सामाजिक गीतों के प्रयास बड़ी छाप छोड़ रहे है। मीडिया को ऐसे कलाकारों के प्रयासों को जोर-शोर से प्रचारित-प्रसारित करना चाहिए। ताकि हमारे प्राचीन मूल्यों को आज की इस शोषणकारी और अश्लील संस्कृति से दूर रखा जा सके।

जब मास्टर छोटूराम जैसे कलाकर पैसों के लिए अपनी कला से समझौता नहीं करते तो हम क्यों घर बैठे कर रहें है। अश्लील गीतों को समाज से बाहर करने के लिए हमें अछे गीतों और अछे कलाकरों को उचित मान-सम्मान देना ही होगा, तभी हम कला को वास्तविक रूप देकर एक रहने योग्य समाज आने वाली पीढ़ियों को देकर जा पाएंगे। लोक कलाएँ वास्तव में किसी भी समाज की नब्ज होती है। हमें अपने बचों को इन कलाओं से अवश्य रूबरू करवाना चाहिए। साथ ही ये भी ध्यान रखना चाहिए कि आज के इंटरनेट युग में हमारे बचे क्या देख रहे हैं, क्या सुन रहे हैं। अछे कलाकार और उनकी कला समाज के सचे पथ प्रदर्शक है लेकिन उनको चुनना हमारी जिम्मेदारी है।

प्रदेश एवं केंद्र सरकार को आज की बिगड़ती संस्कृति के लिए दोषी गानों को खासकर यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर बैन करना चाहिए। मास्टर छोटूराम जैसे कलाकारों को ढूँढकर उनके लिए एक सरकारी प्लेटफार्म एवं आर्थिक पैकेज की व्यवस्था करने की ज़रूरत है ताकि ऐसे सभी कलाकार हमारी संस्कृति को बचाने के लिए चल रहे प्रयासों को और आगे गति दे सकें। हमारे वीर सपूतों की जीवनियों को मास्टर छोटूराम की तरह रागिनी, नाटक और किस्सों के जरिये अब बदलते दौर के डिजिटल उपकरणों के माध्यम से घर-घर तक पहुँचाने की ज़रूरत है ताकि आने वाली पीढ़ी हमारे वीरों के आदर्शों को अगली पीढ़ी तक सौंप सके। इसलिए ज़रूरी है कि केंद्र सरकार ऐसे ज़मीन से जुड़े सचे कलाकरों के लिए अलग से कानून बनाकर हर राय सरकार को अपने क्षेत्र के हिसाब से लागू करवाए, तभी हमारी संस्कृति, संस्कार और धरोहर बच पाएंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

5 मार्च 1989: सुप्रसिद्ध क्राँतिकारी, चिंतक और विचारक पृथ्वी सिंह आजाद का निधन

युवा पृथ्वी सिंह संस्था से जुड़े और इसके विस्तार के काम में लग गये। उन्होंने गदर पार्टी के मुखपत्र गदर का प्रकाशन और इसके विस्तार के काम में जुट गये। जब प्रथम विश्वयुद्ध आरंभ हुआ तो गदर पार्टी ने अपने अनेक कार्यकर्ताओं को भारत भेजा और अंग्रेजों से मुक्ति की सशस्त्र क्रान्ति को तेज किया और युवाओं से आह्वान किया कि अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंका जाये।

-रमेश शर्मा

भारत की स्वाधीनता के लिये जितना संघर्ष भारत के भीतर हुआ, उतना ही जन जागरण अभियान विदेशों में भी हुआ। असंख्य ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और क्राँतिकारी रहे जिन्होंने भारत के भीतर भी संघर्ष किया और जेल गये और भारत के बाहर भी स्वतंत्रता के लिये वातावरण बनाया। क्राँतिकारी पृथ्वीसिंह आजाद ऐसे ही स्वाधीनता सेनानी थे। वे गदर पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक थे।

ऐसे चिंतक विचारक और क्राँतिकारी पृथ्वी सिंह आजाद का जन्म 15 सितंबर 1892 को पंजाब प्रांत के मोहाली क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लालरू में हुआ था। इन दिनों इस क्षेत्र को साहिबजादा अजीतसिंह नगर के नाम से जाना जाता है। उनके शादीराम भी राष्ट्र जागरण अभियान से जुड़े थे। परिवार के संस्कार और राष्ट्रवादी वातावरण के चलते पृथ्वीसिंह किशोर अवस्था में ही राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़ गये थे। आगे चलकर वे लाला लाजपत राय के संपर्क में आये और युवकों को संगठित कर क्राँतिकारी आँदोलन के समर्थक हो गये। समय के साथ वे सक्रिय हुए। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की गिरफ्तारी और खुदीराम बोस के बलिदान के समाचार भी आये। उन्हें लगा कि भारत की स्वतंत्रता के लिये भारत से बाहर अंग्रेजों के विरोधियों का भी समर्थन आवश्यक है। अपने इस विचार से उन्होंने तत्कालीन वरिष्ठों को अवगत कराया और सहमति लेकर वे 1912 में अमेरिका गये। वे हिंदुस्तानी एसोसिएशन ऑफ पेसिफिक कोस्ट के संस्थापकों में से एक लाला हरदयाल से मिले। इसी संस्था को गदर पार्टी के नाम से जाना जाता था। यह संगठन अमेरिका में प्रवासी भारतीयों को संगठित कर भारत की अंग्रेजों से मुक्ति के लिये वातावरण बना रही थी।

युवा पृथ्वी सिंह संस्था से जुड़े और इसके विस्तार के काम में लग गये। उन्होंने गदर पार्टी के मुखपत्र गदर का प्रकाशन और इसके विस्तार के काम में जुट गये। जब प्रथम विश्वयुद्ध आरंभ हुआ तो गदर पार्टी ने अपने अनेक कार्यकर्ताओं को भारत भेजा और अंग्रेजों से मुक्ति की सशस्त्र क्रान्ति को तेज किया और युवाओं से आह्वान किया कि अंग्रेजी सत्ता को उखाड़ फेंका जाये। भारत की स्वाधीनता का यही संकल्प लेकर पृथ्वी सिंह वह 29 अगस्त 1914 को लगभग 150 स्वतंत्रता सेनानियों के साथ भारत लौटे। उन्होंने पूरे पंजाब की यात्रा की और युवकों को संगठित करना आरंभ किया। जब यह समाचार अंग्रेजों को मिला तो 7 दिसंबर 1914 वे गिरफ्तार कर लिये गये। अंग्रेजों ने उन्हें लाहौर षड्यंत्र केस में भी आरोपी बनाया और मौत की सजा सुनाई गई। बाद में सुबूत के अभाव में मृत्युदंड तो बदला लेकिन आजीवन कारावास की सजा देकर सेलुलर जेल भेज दिया गया। उन्हें 1922 में नागपुर जेल स्थानांतरित किया गया। इसके साथ उन्हें कलकत्ता, मद्रास आदि विभिन्न जेलों में 10 साल रखा गया। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों ने अधिकांश राजनैतिक बंदी रिहा किये। इसका लाभ पृथ्वी सिंह जी को भी मिला और वे रिहा कर दिये गये। रिहाई के बाद वे रूस गये। वहाँ रह रहे भारतीयों तथा अंग्रेज विरोधी विचार के लोगों से संपर्क किया तथा भारतीय समाज के दर्द का वर्णन किया। उनके द्वारा दिये गये ये विवरण लेनिन पत्रिका में प्रकाशित हुये। बाद में उनके यह सभी संस्मरण एक पुस्तक के आकार में भी प्रकाशित हुये। भारत लौटने पर काँग्रेस से जुड़े और वे गांधीजी के नेतृत्व में आँदोलन की मुख्यधारा से जुड़ गये। विभिन्न आँदोलनों में जेल गये। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने जब आजाद हिन्द फौज का गठन किया तो उनके समर्थक बने।

स्वतंत्रता के बाद उन्होंने पंजाब से संविधान सभा का चुनाव लड़ा और जीते । भारत सरकार ने 1977 में उन्हे तीसरा सबसे सम्मानित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। जीवन का अंतिम समय अस्वस्थता में बीता और 5 मार्च 1989 को क्राँतिकारी और विचारक पृथ्वी सिंह आजाद ने 96 वर्ष की आयु में संसार से विदा ली। उनकी जीवन गाथा दो आत्मकथाओं में उपलब्ध है। इनमें 卐क्रांति पथ का पथिक卐 का प्रकाशन 1990 में हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा किया गया और 卐बाबा पृथ्वी सिंह आज़ाद, महान योद्धा, 1987 में भारतीय विद्या भवन द्वारा प्रकाशित की गई।

प्रधानमंत्री मोदी और जैव विविधता

प्रधानमंत्री मोदी का जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लेना अनायास नहीं है। दरअसल भारत में शेरों की आबादी भी बढ़ी है। वैसे भी देश में शेरों का संरक्षण सांस्कृतिक और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण है। शेर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग हैं। शेरों का भारतीय मुद्रा और आधिकारिक दस्तावेजों में दिखाई देता है। भारत एशियाई शेरों का घर है। एशियाई शेर सिर्फ गुजरात के गिर के जंगलों में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों ने शेरों की आबादी को 2015 में लगभग 523 से बढ़ाकर 2020 में लगभग 674 तक पहुंचा दिया। केंद्र सरकार की 15 अगस्त, 2020 को घोषित प्रोजेक्ट लायन महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य लंबे एशियाई शेरों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

मुकुंद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज (सोमवार) विश्व वन्यजीव दिवस पर ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, आज विश्व वन्यजीव दिवस पर आइए हम अपने ग्रह की अविश्वसनीय जैव विविधता की रक्षा और संरक्षण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। इसमें हर प्रजाति एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आइए आने वाली पीढ़ियों के लिए उनके भविष्य की रक्षा करें। हमें वन्यजीवों के संरक्षण और सुरक्षा में भारत के योगदान पर भी गर्व है।प्रधानमंत्री का वन्यजीव प्रेम किसी से छुपा नहीं है। उन्होंने आज अपने गृह राज्य गुजरात में विश्व वन्यजीव दिवस पर जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया और एशियाई शेरों को करीब से देखा।

इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डीएसएलआर कैमरे से एशियाई शेरों की तस्वीरें खींचते नजर आए। उन्होंने एक ऐसी भी तस्वीर खींची जिसमें मादा शेरनी अपने शावक को दुलारती नजर आ रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में एक वीडियो क्लिप भी अपलोड की। इसमें वो भारत की परंपरा में जैव विविधता के प्रति स्वाभाविक आग्रह का जिक्र कर रहे हैं। यह क्लिप 2023 की है। कर्नाटक के मैसूर में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के स्मरणोत्सव कार्यक्रम में उन्होंने विचार रखे थे। उन्होंने दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों के मन में अन्य देशों, जहां बाघों की आबादी या तो स्थिर है या फिर उसमें गिरावट हो रही है, की तुलना में भारत में बाघों की बढ़ती आबादी के बारे में उठने वाले सवालों को दोहराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था, भारत इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था के बीच संघर्ष में विश्वास नहीं करता, बल्कि वह दोनों के सह-अस्तित्व को समान महत्व देता है।

यहां यह महत्वपूर्ण है कि जबसे मोदी सरकार आई है तब से देश ने बाघों के संरक्षण में अभूतपूर्व सफलता हासिल की है। 2010 में भारत में करीब 1,700 बाघ थे। 2022 में उनकी संख्या बढ़कर 3,600 से भी ज्यादा हो गई है। यानी सिर्फ 12 साल में बाघों की संख्या दोगुनी हो चुकी है। आज, दुनिया के करीब 75 फीसद बाघ भारत में रहते हैं। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी सफलता है और हम सब भारतवासियों के लिए गर्व का पल है। यह सरकार और समाज के सामूहिक प्रयास से संभव हुआ है।

मोदी सरकार के कठोर प्रतिबंधों की भी इसमें बड़ी भूमिका है। सरकार ने बाघों के शिकार करने पर पूरी तरह से पाबंदी लगाई है। यही नहीं, बाघों के रहने वाले जंगलों को पूरी तरह से सुरक्षित किया गया ताकि वह अपना जीवन बिना किसी खतरे के जी सकें। बाघों के शिकार (जैसे हिरण) की संख्या पर ध्यान दिया गया ताकि बाघों को पर्याप्त भोजन मिलता रहे। समाज को बाघों से जुड़ी जानकारी दी गई और गांवों में बाघों से जुड़े संघर्षों को कम करने के उपायों पर तेजी से काम किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी का जूनागढ़ जिले में स्थित गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लेना अनायास नहीं है। दरअसल भारत में शेरों की आबादी भी बढ़ी है। वैसे भी देश में शेरों का संरक्षण सांस्कृतिक और पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण है। शेर भारत के राष्ट्रीय प्रतीक का अभिन्न और महत्वपूर्ण अंग हैं। शेरों का भारतीय मुद्रा और आधिकारिक दस्तावेजों में दिखाई देता है। भारत एशियाई शेरों का घर है। एशियाई शेर सिर्फ गुजरात के गिर के जंगलों में पाए जाते हैं। इस क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों ने शेरों की आबादी को 2015 में लगभग 523 से बढ़ाकर 2020 में लगभग 674 तक पहुंचा दिया। केंद्र सरकार की 15 अगस्त, 2020 को घोषित प्रोजेक्ट लायन महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य लंबे एशियाई शेरों के भविष्य को सुरक्षित करना है।

गुजरात में शेरों की संख्या और स्वास्थ्य की निगरानी के लिए नियमित रूप से गणना की जाती है। इसके अलावा आग प्रबंधन, बाढ़ की तैयारी और निरंतर वन्यजीव निगरानी जैसे उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि शेरों के पास सुरक्षित आवास हों और किसी भी आपात स्थिति का तुरंत समाधान किया जाए। बड़ी बात यह है कि अप्रैल 2023 में शुरू किया गया इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस दुनिया भर में शेरों सहित बड़ी बिल्लियों के संरक्षण में अहम भूमिका निभा रहा है। शेरों के इतिहास की बात करें तो वह 30 लाख वर्ष पूर्व अफ्रीका और यूरेशियन महाद्वीप में विचरण करते थे। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि वर्तमान में पृथ्वी पर शेरों की उपस्थिति 30,000 से 100000 के बीच है।

जहां तक गिर वन्यजीव अभयारण्य का सवाल है तो वह एशिया में शेरों का एकमात्र निवास स्थान होने के कारण जाना जाता है। गिर अभयारण्य 1424 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें 258 वर्ग किलोमीटर में राष्ट्रीय उद्यान और 1,153 वर्ग किलोमीटर वन्य प्राणियों के लिए आरक्षित अभयारण्य है। पास में ही मितीयाला वन्य जीव अभयारण्य है।माना जाता है कि विश्व में अफ़्रीका के बाद गिर में शेर बचे हैं। गिर के जंगल को सन 1969 में वन्य जीव अभयारण्य घोषित किया गया था।

सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए प्रोजेक्ट लॉयन के तहत 2900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में लगभग 30 हजार वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोगों से बचाव के लिए राष्ट्रीय रेफरल केंद्र स्थापित किया जा रहा है। सासण में उच्च तकनीक से युक्त निगरानी केंद्र और एक अत्याधुनिक अस्पताल स्थापित किया है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

लॉरियस वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित हुए ऋषभ पंत

एजेंसी

मैड्रिड। भारतीय विकेटकीपर एवं बल्लेबाज ऋषभ पंत को कार दुर्घटना के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर खेल की दुनिया के प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स पुरस्कार 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ियों का चयन विश्व के खेल मीडिया द्वारा मतदान के बाद किया गया। इस पुरस्कार की यह 25वीं वर्षगांठ है और यह समारोह 21 अप्रैल स्पेन की राजधानी मैड्रिड होगा। इसी दिन पुरस्कार विजेताओं के नाम की घोषणा की जायेगी। सचिन तेंदुलकर एकमात्र भारतीय हैं, जिन्हें लॉरियस अवॉर्ड में सम्मानित किया गया है। उन्होंने लॉरियस स्पोर्टिंग मोमेंट अवार्ड (2000-2020) जीता था। कमबैक ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए खेल की दुनिया के कई दिग्गज नामित हुए हैं। इनमें जिम्नास्ट रेबेका एंड्राडे, तैराक एरियार्न टिटमस, स्की रेसर लारा गुट-बेहरमी, तैराक सेलेब ड्रेसेल और मोटोजीपी स्टार मार्क मार्केज शामिल हैं। दिसंबर 2020 में हुई दिल्ली देहरादून राजमार्ग पर हुई भयानक कार दुर्घटना में पंत बाल-बाल बचे और उसके बाद क्रिकेट में वापसी तक का यादगार सफर है। इस दौरान उन्होंने पूरी तरह स्वस्थ होने की कठिन प्रक्रिया का सामना किया। शारीरिक और मानसिक चुनौतियों से पार पाते हुए फिर से क्रिकेट में वापसी की।

पंकज के गोल से वाटिका ने रेंजर्स को हराया, तरुण संघा बनाम फ्रेंड्स मुकाबला रहा ड्रा

नयी दिल्ली । प्लेयर्स ऑफ द मैच कप्तान पंकज नेगी के दर्शनीय गोल से वाटिका फुटबाल क्लब ने रॉयल रेंजर्स को एक मात्र गोल से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में तरुण संघा ने अपने अंतिम मैच में फ्रेंड्स यूनाइटेड से 2- 2 ड्रा खेल कर अंक बांटे। तरुण संघा के लिए थौंनौजम शीतल सिंह और नींगोबं सना सिह ने जबकि फ्रेंड्स यूनाइटेड के गोल जतिन्दर सिंह राणा एवम प्लेयर ऑफ द मैच अक्षय राज सिँह ने गोल किए। अक्षय ने राष्ट्रीय स्की माउंटेनियरिंग चैंपियन और फ्रेंड्स यूनाइटेड के जाने माने खिलाड़ी अभिषेक रावत की पत्नी मेनका गुंजयाल के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। रॉयल रेंजर्स और वाटिका के मध्य खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन 62 वें मिनट में पंकज का 35 गज की दूरी से गोलकर विपक्षी टीम में हलचल बढ़ा दी। इस गोल के बाद रॉयल रेंजर्स संभल नहीं पाई। डीपीएल एक की विजेता वाटिका भले ही चैंपियनशिप की दौड़ से बाहर हो गई है लेकिन पिछली उपविजेता रॉयल रेंजर्स के विरुद्ध उसका प्रदर्शन शानदार रहा। दूसरे मुकाबले में तरुण संघा ने पहले हाफ में दो दमदार गोल जमा कर मैच पर मजबूत पकड़ बना ली लेकिन पाला बदलने के बाद अनुभवी खिलाड़ियों से सजे फ्रेंड्स यूनाइटेड हुए और दोनों गोल उतारने में सफल रहे। 58 वें मिनट में राणा ने गोलकीपर जॉनी सिह की चूक का फायदा उठा कर गोला कर दिया।

एमसीडी एकादश को हराकर डीडीए एकादश ने जीता 10वीं यमुना ट्रॉफी का खिताब

नयी दिल्ली। डीडीए एकादश ने फाइनल मुकाबले में एमसीडी एकादश को हराकर 10वीं यमुना ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन और आईडीएचसी सोसायटी द्वारा पूर्वी दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में डीडीए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एमसीडी को डीडीए के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.5 ओवर में 115 रन के स्कोर पर समेट दिया। इसके बाद डीडीए ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 116 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। डीडीए की ओर से रविंद्र मीणा ने 34 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 63 रन बनाए और उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट भी झटके। मीणा को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का खिताब से नवाजा गया। वहीं चार ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट लेने वाले विकास मेहला ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब अपने नाम किया।

रोहित ने एक ही स्थान पर खेलने के लाभ के दावे को किया खारिज

दुबई। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने इस बात को खारिज किया कि उनकी टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने की अनुमति से अनुचित लाभ मिला है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मैच की पूर्व संध्या पर कहा, चार या पांच पिचों का उपयोग किया जा रहा है और प्रत्येक की अपनी विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, पिचें एक जैसी दिख सकती हैं, लेकिन उनका व्यवहार अलग होता है। आप यह नहीं मान सकते कि कल एक पिच पर खेलने से आज की पिच भी वैसी ही होगी। यह हमारा घर नहीं है, यह दुबई है। हम यहां इतने मैच नहीं खेलते। यह हमारे लिए भी नया है। उन्होंने कहा, जो तीन मैच हमने खेले हैं उसमें सतह का स्वभाव तो एक जैसा ही था, लेकिन सभी मैचों में पिच का व्यवहार अलग था। न्यूजीलैंड के खिलाफ हमने देखा कि तेज गेंदबाजो को सीम और स्विंग मिली जो हमें पिछले दो मैचों में पहले गेंदबाजी करते हुए नहीं देखने को मिला था। शाम में थोड़ी ठंडक होती है तो गेंद के स्विंग होने की संभावना रहती है। सेमीफाइनल की पिच को लेकर रोहित ने कहा, हमें नहीं पता कि किस पिच का उपयोग किया जाएगा, लेकिन जो भी हो, हमें जल्दी से अनुकूलन करना होगा।

बीसीबी निदेशक ने फिल सिमंस को मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का किया समर्थन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक नजमुल आबेदीन फहीम ने फिल सिमंस को बांग्लादेश टीम के मुख्य कोच के रूप में बनाए रखने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड जल्द ही सिमंस के साथ औपचारिक बातचीत करेगा और उन्हें लंबे समय के लिए इस भूमिका में बनाए रखने की कोशिश करेगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, ढाका में हुई बोर्ड बैठक में सिमंस के अनुबंध विस्तार सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

सिमंस को पिछले साल अक्टूबर में अंतरिम कोच के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि, उनके चार महीने के कार्यकाल में बांग्लादेश ने केवल एक सीरीज जीती–वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला में 3-0 की जीत। वहीं, चैंपियंस ट्रॉफी में टीम को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे बांग्लादेश टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गया।

बावजूद इसके, बीसीबी अध्यक्ष फारूक अहमद और निदेशक फहीम दोनों ने सिमंस को समर्थन दिया है।

फहीम ने कहा, हमारे मुख्य कोच और वरिष्ठ सहायक कोच का अनुबंध मार्च के मध्य तक था। हम उनके प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, इसलिए हम उनके साथ फिर से बातचीत करेंगे। यदि आपसी सहमति नहीं बनती है, तो हमें अन्य विकल्पों पर विचार करना होगा। लेकिन हमें उम्मीद है कि हम उनके साथ समझौते पर पहुंच जाएंगे। हमारा लक्ष्य उनका अनुबंध 2027 विश्व कप तक बढ़ाना है।

बीसीबी ने वरिष्ठ सहायक कोच मोहम्मद सालाउद्दीन के अनुबंध को भी बढ़ाने का फैसला किया है, जिन्हें पिछले नवंबर में अल्पकालिक आधार पर नियुक्त किया गया था। बीसीबी के अनुसार, सिमंस और सालाउद्दीन के बीच अच्छा तालमेल होने के कारण उनके अनुबंध को बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

इसके अलावा, बोर्ड ने स्पिन गेंदबाजी कोच मुश्ताक अहमद के अनुबंध को भी बढ़ाने का निर्णय लिया है। साथ ही, चयनकर्ता हन्नान सरकार के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है।

फहीम ने बताया कि बीसीबी सीनियर टीम और हाई परफॉर्मेंस यूनिट की फील्डिंग में सुधार लाने के लिए भी प्रयास कर रहा है और इसके लिए कई फील्डिंग कोचों से बातचीत चल रही है।

लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की प्रारंभिक टीम में शामिल, मार्कोस अकुना बाहर

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। इंटर मियामी के स्टार फॉरवर्ड लियोनेल मेसी को इस महीने उरुग्वे और ब्राजील के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अर्जेंटीना की 33 सदस्यीय प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी सूची में मैनचेस्टर सिटी के युवा मिडफील्डर क्लाउडियो एकेवेरी और बोलोग्ना के स्ट्राइकर सैंटियागो कास्त्रो को भी पहली बार जगह मिली है।हालांकि, रिवर प्लेट के डिफेंडर मार्कोस अकुना को खराब प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है।

अर्जेंटीना की टीम 21 मार्च को मोंटेवीडियो में उरुग्वे और 25 मार्च को ब्यूनस आयर्स में ब्राजील का सामना करेगी। वर्तमान में, अर्जेंटीना 12 मैचों में 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि उरुग्वे 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

आईपीएल 2025 : केकेआर ने लॉन्च की 'थ्री-स्टार' जर्सी, तीन खिताबी जीत को समर्पित

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 18वें सीजन के लिए अपनी नई जर्सी का अनावरण किया। इस बार टीम ने एक अनूठे अभियान के तहत नंबर 3 की थीम पर जोर दिया, जिसमें प्रशंसकों को केकेआर की तीन खिताबी जीत की याद दिलाई गई है।

इस अभियान का आकर्षण थ्री स्टार डिजाइन रहा, जिसे जर्सी के फैब्रिक में शामिल किया गया है।

ये तीन सितारे केकेआर के 2012, 2014 और 2024 में जीते गए तीन आईपीएल खिताबों का प्रतीक हैं। आधिकारिक जर्सी लॉन्च वीडियो में रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, रामदीप सिंह, मनीष पांडे, वैभव अरोड़ा, अनुकूल रॉय, मयंक मार्कंडे और लवनीत सिसोदिया जैसे खिलाड़ी नई जर्सी में नजर आए। इस साल केकेआर की नई जर्सी पर टीम के लोगो के ऊपर तीसरा सितारा जोड़ा गया है। इसके अलावा, एक स्पेशल गोल्डन टाटा आईपीएल बैज भी जर्सी की बाजू पर लगाया गया है, जिसे टूर्नामेंट ने 2025 के डिफेंडिंग चैंपियन के सम्मान में पेश किया है।

नई जर्सी को थ्री-एज्ड स्टार डिज़ाइन के साथ तैयार किया गया है और इसे एक साथ बिक्री के लिए लॉन्च कर

दिया गया है। प्रशंसक इसे नाइट क्लब (केकेआर का आधिकारिक ऐप), वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए खरीद सकते हैं।कोलकाता नाइट राइडर्स अपना आईपीएल 2025 अभियान 22 मार्च को ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ सीजन के उद्घाटन मुकाबले से शुरू करेगी। टीम का लक्ष्य इस बार अपने बैज पर चौथा सितारा जोड़ना होगा।

एएफसी चैंपियंस लीग एलीट, राउंड ऑफ 16 : अल नस्र और एस्तेगलाल के बीच मुकाबला गोलरहित ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। तेहरान के आज़ादी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए एएफसी चैंपियंस लीग एलीट राउंड ऑफ 16 के पहले चरण के मुकाबले में एस्तेगलाल और अल नस्र के बीच मुकाबला बिना किसी गोल के ड्रॉ रहा। मैच में दोनों टीमों को गोल करने के कई मौके मिले, लेकिन कोई भी टीम उन्हें भुनाने में सफल नहीं रही। अल नस्र, जो इस मुकाबले में अपने स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना उतरी थी, ने पहले हाफ में दबदबा बनाया।

टीम को सबसे अच्छा मौका 21वें मिनट में मिला, जब जॉन डुरान ने एस्तेगलाल के बॉक्स के अंदर से शॉट लगाया। हालांकि, एस्तेगलाल के गोलकीपर हुसैन हुसैनी ने शानदार बचाव किया, लेकिन गेंद अयमान याह्या के पास गिर गई। याह्या के सामने खाली गोल था, लेकिन रूज़बेह चेश्मी ने शानदार गोललाइन क्लीयरेंस कर गोल होने से रोक लिया। दूसरे हाफ में एस्तेगलाल के अंदर हेडर के जरिए गोल की ओर मोड़ा। हालांकि, उनकी कोशिश गोलपोस्ट के बेहद करीब से बाहर

ने आक्रामक खेल दिखाया और 50वें मिनट में उसे गोल करने का सुनहरा मौका मिला। अरमिन सोहराबियन ने बाईं विंग से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिसे रेज़ाईयान ने बॉक्स चली गई।अब दोनों टीमें 10 मार्च को सऊदी अरब के रियाद स्थित अल-अव्वल पार्क में होने वाले दूसरे चरण के मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप: असम ने बिहार को 2-1 से हराया

एजेंसी

पंचकूला। ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम, पंचकूला में चल रही 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के डिवीजन बी के तीसरे दिन असम हॉकी ने हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को 2-1 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। मैच की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के समाप्त हुआ, लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले असम हॉकी की कप्तान मुनमुनी दास (29फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद असम हॉकी ने शानदार रक्षात्मक खेल दिखाते हुए तीसरे क्वार्टर तक अपनी बढ़त बनाए रखी। मैच के अंतिम क्षणों में रोमांच और बढ़ गया। खुशबू

प्रजापति (59फीसदी) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर असम हॉकी की बढ़त को 2-0 कर दिया। हालांकि, अगले ही मिनट में नुसरत खातून ने बिहार की ओर से एकमात्र गोल कर अंतर कम किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस जीत के साथ असम हॉकी ने अंकतालिका में अपना खाता खोल लिया, जबकि हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को अब भी पहली जीत की तलाश है। इससे पहले डिवीजन सी के मैच में हॉकी आंध्र प्रदेश ने पूल बी के खेल में हॉकी जम्मू और कश्मीर के खिलाफ 4-2 से जीत दर्ज की। रेवती थालारी (3', 17') ने अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण दो गोल किए, जबकि हरथी लोमाडा (36') और मदुगुला भवानी (45') ने भी हॉकी आंध्र प्रदेश के लिए गोल किए। रजनी (10') और अंजू कुमारी (57') हॉकी जम्मू और कश्मीर के लिए गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं।

आखिरी डिवीजन सी मैच में, ले पुडुचेरी हॉकी ने पूल बी में हॉकी अरुणाचल पर 6-1 से शानदार जीत हासिल की। जयप्रथा एस (13', 39', 41') ने शानदार हैट्रिक बनाई, जबकि अन्य तीन गोल बी दीपिका (4,' 22') और एस सुबासरी (40') ने किए। हॉकी अरुणाचल के लिए हेमा नवैत (5') एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं।

अखिल भारतीय ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हॉकी प्रतियोगिता में मुरादाबाद के 4 खिलाड़ियों को सिल्वर मेडल

एजेंसी

मुरादाबाद। अखिल भारतीय ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी हाकी प्रतियोगिता में मुरादाबाद के चार खिलाड़ियों ने हॉकी में सिल्वर मेडल हासिल किया है। विजेता खिलाड़ियों के मुरादाबाद पहुंचने पर उन्हें सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम सम्मानित किया गया। गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय उत्तराखंड में ऑल इंडिया हॉकी पुरुष अंतर विश्वविद्यालय चैपियनशिप का आयोजन हुआ था। जिसमें अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की टीम ने उपविजेता रहकर सिल्वर मेडल हासिल किया। इसमें मुरादाबाद जीआईसी के कंक्रीट के मैदान से निकले असद उल्लाह जाफरी, मोहम्मद सैफ, आशु कुमार और मोहम्मद रेहान ने अहम भूमिका निभाई। सैफ टीम के कप्तान रहे।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025: गुलमर्ग में 9 से 12 मार्च तक होंगे मुकाबले, ताजा बर्फबारी के बाद मिली हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 (केआईडब्ल्यूजी 2025) का दूसरा चरण अब जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में 9 से 12 मार्च तक आयोजित होगा। पहले यह खेल 22 से 25 फरवरी के बीच होने थे, लेकिन कंगडूरी स्लोप्स और गोल्फ कोर्स पर पर्याप्त बर्फ न होने के कारण इसे स्थगित करना पड़ा था।

पहला चरण 23 से 27 जनवरी तक लद्दाख में आयोजित किया गया था, जहां आइस हॉकी और स्पीड स्केटिंग की प्रतिस्पर्धाएं हुई थीं।

अब गुलमर्ग में होने वाले दूसरे चरण में अल्पाइन स्कीइंग, नॉर्डिक स्कीइंग, स्की माउंटेनियरिंग और स्नोबोर्डिंग के मुकाबले खेले जाएंगे। आयोजन समिति के बयान के अनुसार, जम्मू-कश्मीर में हुई ताजा बर्फबारी और मौसमी परिस्थितियों को देखते हुए अब खेलों के तकनीकी संचालन के लिए स्थिति अनुकूल पाई गई है। यह निर्णय इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि खेलों के स्थगन के बाद इसकी मेजबानी को लेकर संदेह बना हुआ था।

गुलमर्ग में होने वाले खेलों में भारत के शीर्ष स्कीयरों के प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि फरवरी में हुए एशियन विंटर गेम्स 2025 (हरबिन, चीन) के बाद अधिकतर खिलाड़ी उपलब्ध होंगे। इस बार खेल मंत्रालय भी शीतकालीन खेलों को विशेष बढ़ावा दे रहा है। पहली बार भारतीय दल को एशियन विंटर गेम्स में भाग लेने के लिए सरकारी वित्तीय सहायता भी दी गई थी।

इस साल खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2025 से घरेलू खेल कैलेंडर की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री ने भी इन खेलों को बढ़ावा देने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि यह भारत को एक प्रमुख खेल राष्ट्र के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। लद्दाख में हुए पहले चरण में 19 टीमों ने भाग लिया, जिनमें राज्य, केंद्रशासित प्रदेश और संस्थान शामिल थे। लद्दाख ने चार स्वर्ण पदकों के साथ पदक तालिका में बढ़त बनाई।

खेलो इंडिया विंटर गेम्स का इतिहास

खेलो इंडिया विंटर गेम्स की शुरुआत 2020 में हुई थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर पहले तीन संस्करणों की मेजबान और विजेता रही। 2024 संस्करण लद्दाख और जम्मू-कश्मीर ने संयुक्त रूप से आयोजित किया था, जिसमें भारतीय सेना ने ओवरऑल खिताब जीता था।

टेबल टेनिस स्टार मनिका ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ कार्यालय में मुलाकात कर शहर में खेल विकास से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान टेबल टेनिस स्टार मनिका और मुख्यमंत्री गुप्ता के बीच दिल्ली में भविष्य की खेल नीतियों को लेकर चर्चा हुई। जिसमें जमीनी स्तर के एथलीटों को सशक्त बनाने और राज्य के एथलीटों के कल्याण में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। मनिका ने बैठक के बाद कहा, आज दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलने का सौभाग्य मिला। हमने दिल्ली में नई खेल नीतियों पर एक सार्थक चर्चा की, जिसमें जमीनी स्तर के एथलीटों के विकास और राज्य के एथलीटों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित किया गया।

आईपीएल 2025: अजिंक्य रहाणे बने केकेआर के कप्तान, वेंकटेश को उपकप्तानी की जिम्मेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आगामी टाटा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के लिए अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उपकप्तान नियुक्त करने की घोषणा की है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि रहाणे का अनुभव और अय्यर की आक्रामकता मिलकर केकेआर को एक मजबूत नेतृत्व प्रदान करेगी।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने फ्रेंचाइजी को ओर से जारी एक बयान में कहा, हम अजिंक्य रहाणे जैसे अनुभवी खिलाड़ी को टीम की कमान सौंपकर बेहद खुश हैं। वह अपने साथ परिपक्वता और शानदार नेतृत्व गुण लेकर आते हैं। वहीं, वेंकटेश अय्यर लंबे समय से केकेआर का अहम हिस्सा रहे हैं और उनमें नेतृत्व के कई गुण हैं। हमें पूरा विश्वास है कि दोनों मिलकर टीम को सही दिशा में आगे बढ़ाएंगे और खिताब की रक्षा करेंगे। कप्तान

बनाए जाने पर अजिंक्य रहाणे ने खुशी जताते हुए कहा, केकेआर जैसी सफल फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारी टीम संतुलित और प्रतिभाशाली है और मैं सभी खिलाड़ियों के साथ मिलकर इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार हूं। हमारा लक्ष्य खिताब की रक्षा करना है और इसके लिए हम पूरी मेहनत करेंगे। केकेआर की टीम 22 मार्च को अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि नए नेतृत्व के साथ केकेआर एक मजबूत शुरुआत करेगी।

गुजरात जायंट्स ने यूपी वॉरियर्स को 81रनों से हराया

एजेंसी

लखनऊ। बेथ मूनी (नाबाद 96) की विस्फोटक और हरलीन देओल (45) रन बेहतरीन पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जायंट्स ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के 15वें मुकाबले में यूपी वारियर्स को 81 रनों से हरा दिया। 187रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 36 के स्कोर तक अपने पांच विकेट गवां दिये। गुजरात के गेंदबाजी आक्रमण के आगे यूपी ये पांचवें बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। दो बल्लेबाज तो शून्य पर आउट हुये। 10वें ओवर में तनुजा कंवर ने एक छोर थामे रन बना रही ग्रेस हैरिस को पगबाधा आउट कर यूपी की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। हैरिस ने 30 गेंदों में (25) रन बनाये। शिनेल हेनरी ने विस्फोटक पारी खेलने का प्रयास किया और उन्हें भी तनुजा कंवर ने आउट किया। हेनरी ने 14 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (28) रनों की पारी खेली। 17वें ओवर में आठवें विकेट के रूप में उमा छेत्री (17) का विकेट गिरा। काश्वी गौतम ने इसी ओवर में गौहर सुल्ताना (शून्य) को आउट कर गुजरात को नौवीं सफलता दिलाई। 18वें ओवर की पहली गेंद पर तनुजा कंवर ने सोफी एकल्सटन (14) को बोल्ड कर

यूपी वॉरियर की पारी को 105 के स्कोर पर समेट कर मुकाबला 81 रनों से जीत लिया। गुजरात जायंट्स की ओर से काश्वी गौतम और तनुजा कंवर ने तीन-तीन विकेट लिये। डिएंड्रा डॉटिन को दो विकेट मिले। मेघना सिंह और एश्ली गार्डनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले इकाना स्टेडियम पर मूनी की बल्लेबाजी आज आकर्षण का केंद्र बनी। मूनी अपने डब्ल्यूपीएल करियर के पहले शतक से चूक गयी मगर यह उनके डब्ल्यूपीएल करियर का अधिकतम स्कोर रहा। अपने बेखौफ अंदाज से उन्होने यहां बैठे हजारों युवा प्रशंसकों की तालियां भी बटोरी। अपनी आतिशी पारी के दौरान उन्होने 59 गेंदों का सामना किया और 17 खूबसूरत चौके जड़े। दयालन हेमलता (2) का विकेट पहले ओवर में ही गिरने के बावजूद मूनी ने नयी बल्लेबाज हरलीन के साथ बेखौफ अंदाज में खेलते हुये धुआंधार बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया और इकाना में बैठे चंद हजार दर्शकों को भरपूर मनोरंजन किया। पारी के 13वें ओवर में यूपी को दूसरी सफलता हरलीन के विकेट के रुप में मिली जब सोफ़ी एकल्सटन की गुगली को हिट करने से चुकी हरलीन क्लीन बोल्ड हो गयी। अर्धशतक बनाने से चुकी हरलीन ने अपनी 32 गेंदो की पारी में छह बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। दूसरे छोर पर खूंटा गाड़ कर बल्लेबाजी कर रही मूनी ने यूपी के गेंदबाजों पर कोई रहम नहीं किया और मैदान के चारों ओर आकर्षक शाट लगाना जारी रखा।

डॉलर के मुकाबले 14 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ रुपया

नई दिल्ली। डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा रुपये की स्थिति कमोबेश पूरे दिन मजबूत बनी रही। पूरे दिन के उतार-चढ़ाव के बाद भारतीय मुद्रा डॉलर की तुलना में 14 पैसे की मजबूती के साथ 87.36 रुपये के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन रुपया डॉलर की तुलना में 87.50 के स्तर पर बंद हुआ था। आज भारतीय मुद्रा ने डॉलर की तुलना में 15 पैसे की मजबूती के साथ 87.35 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। दिन के कारोबार में डॉलर की मांग बढ़ने पर भारतीय मुद्रा की कीमत घट कर 87.41 रुपये प्रति डॉलर के स्तर तक आ गई। इसी तरह बाजार में डॉलर का प्रवाह बढ़ने पर भारतीय मुद्रा उछल कर 87.25 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आ गई। हालांकि घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर बिकवाली करके अपने पैसे की निकासी करने के कारण मुद्रा बाजार पर भी इसका असर पड़ा। डॉलर की निकासी का दबाव बनने के कारण भारतीय मुद्रा ने डॉलर की तुलना में 87.36 रुपये के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगीः नागेश्वरन

नई दिल्ली। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंथा नागेश्वरन ने कहा कि आने वाले वर्षों में एक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोना निवेशकों के लिए प्रासंगिक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि सोना न केवल मूल्य, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के रूप में बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी प्रासंगिक बना रहेगा। नागेश्वरन ने नई दिल्?ली स्थित भारत मंडपम में 8वें आईजीपीसी-आईआईएमए वार्षिक स्वर्ण एवं स्वर्ण बाजार सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में एसेट क्लास के रूप में सोने की प्रासंगिकता और बढ़ेगी। भारत में सोने का आयात बढ़ रहा, जबकि निर्यात घटता जा रहा है। नागेश्वरन ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत अपने पास मौजूद सोने की परिसंपत्तियों को उत्पादक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा कि सोना न केवल मूल्य के भंडार, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के लिए आभूषण के रूप में भी प्रासंगिक रहेगा बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी यह प्रासंगिक रहेगा। जब तक कि दुनिया मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक गैर-प्रणाली से अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली तक पहुंचने में सक्षम नहीं हो जाती, तब तक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने का महत्व बना रहेगा।

लगातार 9वें दिन लाल निशान में बंद हुआ निफ्टी, निवेशकों को 3 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली। पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार एक बार फिर लाल निशान में बंद हुआ। निफ्टी ने आज लगातार नौवें कारोबारी दिन गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के सपोर्ट से तेजी का रुख भी बना, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में बड़ी गिरावट आ गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारी शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक निचले स्तर से काफी हद तक रिकवर करने में सफल रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह फार्मास्यूटिकल, ऑटोमोबाइल, आईटी और एफएमसीजी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर पीएसयू बैंक, ऑयल एंड गैस और मीडिया सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा। बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ।

प्रणव कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

मुंबई/नई दिल्ली। मुंबई स्थित रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनसई पर सूचीबद्ध होंगे। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में 392 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे। इसके साथ ही कंपनी के प्रमोटरों और निवेशकों द्वारा 28,56,869 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश की जाएगी। बिक्री के लिए इस प्रस्ताव में बायोऊर्जा इंडिया इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के 23,07,472 इक्विटी शेयर और रवि रामलिंगम द्वारा 5,49,397 इक्विटी शेयर शामिल हैं। रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की योजना इस इश्यू से 392 करोड़ रुपये जुटाने की है। सेबी के पास जमा ड्रॉफ्ट पेपर्स के मुताबिक कंपनी इस इश्यू से प्राप्त फंड का इस्तेमाल सरकारी और स्टैचुअरी अप्रूवल, एडिशनल फ्लोर स्पेस इंडेक्स, कंपेंसेटिंग मेंबर्स के लिए अकोमेडेशन और अन्य परियोजनाओं को पूरा करने के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। इसके आलावा इस धनराशि का इस्तेमाल कंपनी पुनर्विकास परियोजनाओं और ऋण चुकौती में सहायता करेगी। मुंबई स्थित प्रणव कंस्ट्रक्शन लिमिटेड एक रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी है। यह कंपनी विशेष रूप से मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ ग्रेटर मुंबई (एमसीजीएम) रीडेवलपमेंट सेगेमेंट में है।

इंदौर आईआईटी के 15 स्टार्टअप्स को मिली पांच करोड़ रुपये की फंडिंग

एजेंसी

इंदौर। पैरालिसिस, उम्र या अन्य किसी कारण से चलने-फिरने में असमर्थ लोग भी चल सकेंगे। ये अनोखा वियरेबल सॉल्यूशन एक स्टार्टअप नोवा वॉक ने बनाया है, जिसे आईआईटी इंदौर ने इनक्यूबेट किया है। साथ ही किसी भी भाषा में डॉक्टर से बात करने के लिए एआई बेस्ड सॉल्यूशन भी बनाया गया है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में अल्ट्रासाउंड रोबोट की मदद से सोनोग्राफी करना आसान हो गया है और सुटकेस में आ जाने वाली पोर्टेबल ब्लड टेस्टिंग यूनिट भी अब मौजूद है। दिल्ली के हैबिटेट सेंटर में ऐसे 15 स्टार्टअप को फंडिंग दी गई जो हेल्थ केयर सेक्टर में अनूठे प्रयास कर रहे हैं। साइंस एंड टेक्नोलॉजी मंत्री जितेंद्र सिंह एवं इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने

दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में स्टार्टअप्स को फंडिंग का लेटर दिया। इन 15 स्टार्टअप्स को पांच करोड़ रुपये की फंडिंग दी गई है और ये राशि प्रत्येक स्टार्टअप के लिए बढ़ाकर एक करोड़ रुपये की जा सकती है। इन 15 में से कुछ स्टार्टअप आईआईटी के प्रोफेसर्स ने शुरू किए हैं तो कुछ भोपाल एम्स के डॉक्टर्स ने बनाए हैं, वहीं कुछ स्टार्टअप्स डॉक्टर और इंजीनियर्स ने मिलकर बनाए हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि अब डॉक्टर्स, इंजीनियर का काम कर रहे हैं और कई इंजीनियर, डॉक्टर के मेडिकल क्षेत्र में काम कर रहे हैं। टेक्नोलॉजी की मदद से यह संभव हुआ है और नई शिक्षा नीति 2020 के कारण बहुत जल्द छात्र विभिन्न विषयों का अध्ययन कर सकेंगे। इंदौर सांसद शंकर लालवानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का धन्यवाद करते हुए कहा कि आईआईटी इंदौर ने ऐसे स्टार्टअप्स की मदद की है जो हेल्थ केयर के क्षेत्र में क्रांतिकारी काम कर रहे हैं। आज से 10-20 साल पहले जिन बीमारियों का इलाज असंभव लगता था वह आज स्टार्टअप्स ने संभव कर दिखाया है। इन स्टार्टअप्स की मदद से ग्रामीण क्षेत्र में भी उच्च स्तरीय हेल्थ केयर सुविधा पहुंचना संभव है।

ईडी ने पेटीएम को 611 करोड़ रुपये के फेमा उल्लंघन मामले में जारी किया नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ऑनलाइन पेमेंट प्लेटफॉर्म पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड (ओसीएल), उसके प्रबंध निदेशक और संबद्ध संस्थाओं को 611 करोड़ रुपये से जुड़े कथित विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने जारी एक बयान में कहा कि उसने विभिन्न मामलों में फेमा के नियमों के 'उल्लंघन' के लिए पेटीएम की मूल कंपनी और उससे जुड़ी इकाइयों को 611 करोड़ रुपये का कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ईडी ने बताया कि फेमा, 1999 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए मेसर्स वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड और इसके प्रबंध निदेशक और अन्य को कारण बताओ नोटिस (एससीएन) जारी किया गया है। ईडी ने कहा कि पेटीएम की प्रमुख कंपनी वन97 कम्युनिकेशन लिमिटेड (ओसीएल), इसके प्रबंध निदेशक और पेटीएम की अन्य सहायक कंपनियों जैसे लिटिल इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड और नियरबाय इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ईडी ने यह नोटिस न्यायिक कार्यवाही शुरू होने से पहले जांच एजेंसी के एक विशेष निदेशक ने जारी किया है।

उल्लेखनीय है कि वित्त वर्ष 2024 के लिए पेटीएम की ओर से जारी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार फिनटेक प्रमुख के संस्थापक विजय शेखर शर्मा इसके अध्यक्ष, प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।

निसान ने मैग्नाइट एसयूवी में कई बड़े बदलाव किए, निर्यात का आंकड़ा 50 हजार के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। निसान इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपनी मैग्नाइट एसयूवी में कई बड़े बदलाव किए हैं। कंपनी ने कहा कि पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए नई निसान मैग्नाइट बीआर10 (नैचुरली एस्पिरेटेड इंजन) अब पूरी तरह से ई20 फ्यूल फ्यूल पर चल सकेगा। निशान ने जारी एक बयान में कहा कि कंपनी ने 50 हजार गाड़ियों के निर्यात का आंकड़ा भी पार कर लिया है। फरवरी 2025 में कुल 8,567 गाड़ियां बेची गई, जिनमें से 6,239 निर्यात की गई और 2,328 भारत में बेची गई, जबकि फरवरी, 2024 के 3163 की तुलना में इस साल निर्यात में 97 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। निसान मैग्नाइट अब 65 से ज्यादा देशों में बिक्री के लिए उपलब्ध है। नई निसान मैग्नाइट को लेकर वैश्विक स्तर पर मजबूत मांग से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में निसान की बढ़ती मौजूदगी दिखती है। इसके साथ ही इससे 'मेड इन इंडिया' वाहनों को लेकर बढ़ती प्राथमिकता भी दिख रही है। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्ट सौरभ वत्स ने कहा कि नई निसान मैग्नाइट न केवल भारत में, बल्कि वैश्विक बाजारों में नए मानक स्थापित कर रही है। इसने 50 हजार कारों का

निर्यात आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि क्वालिटी, इनोवेशन एवं परफॉर्मेंस डिलीवर करने की निसान की क्षमता में बढ़ते भरोसे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम भारत में अपने परिचालन को लेकर प्रतिबद्ध हैं और नई निसान मैग्नाइट का विकास इस समर्पण का प्रमाण है। निसान मोटर इंडिया ने जनवरी में चेन्नई के कामराजार पोर्ट (केपीएल-एन्नोर) से एलएटीएएम बाजारों में करीब 2,900 कारों की शिपिंग के साथ नई निसान मैग्नाइट के लेफ्ट-हैंड ड्राइव (एलएचडी) वैरिएंट का निर्यात शुरू किया था। कंपनी ने फरवरी में पश्चिम एशिया, उत्तरी अफ्रीका और एशिया प्रशांत के क्षेत्रों में 2,000 से ज्यादा कारों का निर्यात किया। वहीं, 5,100 से ज्यादा एलएचडी वैरिएंट को चुनिंदा लैटिन अमेरिकी देशों में निर्यात किया गया। इसी के साथ फरवरी के अंत तक एलएचडी मैग्नाइट का निर्यात का कुल आंकड़ा 10 हजार यूनिट्स के पार पहुंच गया। यह आंकड़ा निसान की 'वन कार, वन वर्ल्ड' की रणनीति को मजबूत करता है और प्रमुख निर्यात हब के रूप में भारत की स्थिति को भी इससे ताकत मिली है।

भारत में अधिकांश महिलाएं सक्रिय रूप से अपने वित्त की जिम्मेदारी संभाल रही हैंः नीति आयोग की रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। नीति आयोग ने उधारकर्ताओं से निर्माणकर्ताओं तकः भारत की वित्तीय विकास की कहानी में महिलाओं की भूमिका शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में ज्यादातर महिलाएं तेजी से अपने वित्त की जिम्मेदारी ले रही हैं और वे अधिक ऋण ले रही हैं तथा अपने क्रेडिट स्कोर पर सक्रिय रूप से नजर रख रही हैं।

नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में महिलाएं सक्रिय रूप से ऋण लेने और अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी करके अपने वित्तीय भविष्य की जिम्मेदारी ले रही हैं। रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में अधिक महिलाएं ऋण लेना चाहती हैं और सक्रिय रूप से वे अपने क्रेडिट स्कोर की निगरानी कर रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दिसंबर 2024 तक 27 मिलियन महिलाएं अपने क्रेडिट की निगरानी कर रही थीं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 42 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है, जो बढ़ती वित्तीय जागरुकता का संकेत देता है। इस रिपोर्ट को ट्रांसयूनियन सीआईबीआईएल, नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी) और माइक्रोसेव कंसल्टिंग (एमएससी) द्वारा प्रकाशित किया गया है। इस रिपोर्ट की लॉन्चिंग के दौरान नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने में वित्त तक पहुंच की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि सरकार मानती है कि वित्त तक पहुंच महिला उद्यमिता के लिए एक बुनियादी प्रवर्तक है।

महिला उद्यमिता मंच का एक समावेशी इको-सिस्टम बनाने की दिशा में काम करना जारी है, जो वित्तीय साक्षरता, ऋण तक पहुंच, परामर्श और बाजार लिंकेज को बढ़ावा देता है।

नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के अंतर्गत मध्य प्रदेश के प्रस्ताव को स्वीकृति, 1.23 करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

भोपाल। भारत सरकार ने नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन अंतर्गत मध्य प्रदेश सरकार के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 1.23 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति राज्य में उद्यमिता, डेटा-संचालित शासन, आर्थिक वृद्धि, जलवायु अनुकूलन और प्रभाव मूल्यांकन को मजबूत करने के लिए दी गई है। यह जानकारी प्रदेश के आर्थिक सांख्यिकी विभाग के सचिव ऋषि गर्ग ने दी।

उन्होंने बताया कि यह निर्णय मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग और नीति आयोग के बीच विस्तृत विचार-विमर्श और सहयोग के बाद लिया गया। इससे राज्य के विकसित मध्य प्रदेश और विकसित भारत ञ्च2047 के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है। इस स्वीकृति के तीन प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी-एमपी) नीति सुधारों, रणनीतिक साझेदारियों और एक

समर्पित डिजिटल प्लेटफार्म को बढ़ावा देकर महिला नेतृत्व वाले उद्यम विकास में तेजी आयेगी। मध्यप्रदेश राज्य डेटा एनालिसिस प्लेटफ़ॉर्म (एसडीएपी) को नीति आयोग के राष्ट्रीय डेटा एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म (एनडीएपी) के सहयोग से विकसित किया जायेगा। यह पहल साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने, कार्यक्रम अनुश्रवण में सुधार करने और संसाधनों के बेहतर आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय डेटासेट को एकीकृत करेगी। सरकार के सचिव ने बताया कि ग्रोथ-हब पहल (जी-हब) चिन्हित क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। जी-हब का लक्ष्य क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने वाले अनुरूप विकास रोडमैप तैयार करना है। जलवायु अनुकूल कार्य योजना (सी) जलवायु अनुकूलन और नियंत्रण रणनीतियों को समर्थन देने के लिए बनाई जायेगी, जो नेट ज़ीरो 2070 और सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप होगी। अनुश्रवण, मूल्यांकन और प्रभाव आकलन इकाई राज्य की नीतियों और कार्यक्रमों के अनुश्रवण और मूल्यांकन के माध्यम से डेटा-आधारित सुशासन को सशक्त बनाना। समावेशी विकास, नवाचार और उद्यमिता पर मध्य प्रदेश सरकार की व्यापक नीति और दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। सचिव ऋषि गर्ग ने यह पहल मध्य प्रदेश को एक अग्रणी आर्थिक और नीतिगत राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सरकार इस स्टेट सपोर्ट मिशन का उपयोग सतत विकास और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन को गति देने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स वाराणसी :सीए. नीरज कुमार सिंह बने नए अध्यक्ष

एजेंसी

वाराणसी। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की वाराणसी शाखा में वर्ष 2025-26 के लिए प्रबंधकारिणी समिति के पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न हुआ। बीते 23 फरवरी 2025 को विजयी हुए सदस्यों ने आपसी सहमति से नई कार्यकारिणी का गठन किया। इस चुनाव में सीए. नीरज कुमार सिंह को अध्यक्ष, सीए. वैभव मेहरोत्रा को उपाध्यक्ष, सीए. विकास द्विवेदी को सचिव, सीए. रंजीत कुमार पांडेय को कोषाध्यक्ष, सीए. श्री प्रकाश पांडेय को सिकासा अध्यक्ष और सीए. नमन कपूर को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में चुना गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शाखा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प लिया और सदस्यों तथा छात्रों के हित में कार्य करने की शपथ ली। इस अवसर पर शाखा के वर्तमान अध्यक्ष सीए. सौरभ कुमार शर्मा और सिकासा अध्यक्ष सीए. सोम दत्त रघु ने नवगठित कार्यकारिणी को बधाई दी और उनके

उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शाखा सचिव सीए. विकास द्विवेदी ने बताया कि नई टीम शाखा के विकास और चार्टर्ड एकाउंटेंट्स समुदाय की बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है। यह नई कार्यकारिणी आगामी वर्ष में अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा से निभाने के लिए तैयार है।

कोयला मंत्रालय ने गुजरात के गांधीनगर में वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी पर किया रोड शो

एजेंसी

नई दिल्ली/गांधीनगर। केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि कोयला भारत की ऊर्जा सुरक्षा का आधार है और आने वाले दशकों तक इसकी प्रासंगिकता बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत सरकार कोयला क्षेत्र को अधिक प्रतिस्पर्धी, पारदर्शी और निवेशकों के अनुकूल बनाने के लिए कई सुधारात्मक कदम उठा रही है।

केंद्रीय कोयला राज्यमंत्री ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित कोयला क्षेत्र एवं वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी रोडशो के दौरान अपने संबोधन में यह बात कही। उन्?होंने कहा कि पहले जहां कोयला केवल कैप्टिव उपयोग तक सीमित था, अब इसे मुक्त रूप से बेचा जा सकता है, जिससे वाणिज्यिक खनन को एक नए आयाम की ओर ले जाया गया है। सतीश चंद्र दुबे ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह

पारदर्शी एवं कुशल बनाई गई है, जिससे निवेशकों को न्यूनतम बाधाओं के साथ व्यापार करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार निवेशकों को हरसंभव समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें नीति सुधार, लॉजिस्टिक्स समर्थन और पर्यावरण-अनुकूल खनन प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी गई है। कोयला राज्यमंत्री ने कहा कि कोयला क्षेत्र में तकनीकी नवाचार, कोयला गैसीकरण, तथा पर्यावरण-संवेदनशील खनन तकनीकों के बढ़ते उपयोग पर प्रकाश डाला। इससे कोयला क्षेत्र दीर्घकालिक रूप से स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल बनेगा, जिससे न केवल भारत की ऊर्जा आपूर्ति मजबूत होगी बल्कि वैश्विक जलवायु लक्ष्यों की दिशा में भी योगदान मिलेगा। इस अवसर पर कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एवं मनोनीत अधिकारी रूपिंदर बरार ने भारत के ऊर्जा भविष्य को आकार देने में वाणिज्यिक कोयला खनन की क्षमता पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि मंत्रालय प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, वित्तीय प्रोत्साहन देकर और व्यापार सुगमता बढ़ाकर निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए एक सक्षम व्यवस्था को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि इसने मंजूरी में तेजी लाई है और सभी हितधारकों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया है।

अमेजन वेब सर्विसेज की टीम ने अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात

- **महाराष्ट्र में 8.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की जताई प्रतिबद्धता**

नई दिल्ली। भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष संदीप दत्ता के नेतृत्व में अमेजन वेब सर्विसेज की एक टीम ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और आने वाले वर्षों में महाराष्ट्र में 8.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई। मुलाकात के बाद केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को जानकारी दी कि अमेजन की टीम ने महाराष्ट्र में 8.2 बिलियन डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई।

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि साल 2030 तक अमेजन वेब सर्विसेज महाराष्ट्र में लगभग 8.2 बिलियन डॉलर के निवेश की अपनी

पूरी योजना के बारे में बताया। वे भारत में विकास के बारे में बहुत आशावादी हैं। वे नवीनतम तकनीक ला रहे हैं। टीम ने जानकारी दी कि वे भारत में कुछ बेहतरीन कंप्यूट सुविधाएं और क्लाउड प्रबंधन सेवाएं तैनात कर रहे हैं। निवेश के साथ-साथ रोजगार में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अमेजन वेब सर्विसेज ने साझा किया कि वे आने वाले वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण संख्या में नौकरियों के अवसर उपलब्ध कराएंगे।

मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी मॉयल ने फरवरी में सर्वश्रेष्ठ उत्पादन किया, बिक्री 3 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की मैंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड (मॉयल) ने फरवरी में अपना बेहतरीन प्रदर्शन दर्ज किया है। कंपनी ने फरवरी महीने में 1.53 लाख टन मैंगनीज (एमएन) अयस्क का उत्पादन करके 2025 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ परिणाम दिया है। अप्रैल-फरवरी 2025 की समयावधि के दौरान 14.32 लाख टन की बिक्री हुई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3 फीसदी अधिक है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक सरकारी मैंगनीज अयस्क खनन कंपनी ने इस साल फरवरी में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर 1.53 लाख टन मैंगनीज (एमएन) अयस्क का उत्पादन किया है। इसके साथ ही फरवरी में अबतक की सर्वश्रेष्ठ 11,455 मीटर की अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग हुई है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 43 फीसदी ज्यादा है। मॉयल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अजीत कुमार सक्सेना ने निरंतर प्रयासों से हासिल इस उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए टीम मॉयल की सराहना की। कंपनी ने उत्पादन और अन्वेषण गतिविधियों दोनों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं हैं, जिससे मैंगनीज अयस्क क्षेत्र में इसका नेतृत्व मजबूत हुआ है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कंपनी आने वाले वर्ष में और अधिक विकास की राह पर अग्रसर होगी।

केंद्र सरकार ने हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली बसों और ट्रकों पर 5 पायलट परियोजनाएं शुरू कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत बसों और ट्रकों में हाइड्रोजन के उपयोग के लिए 5 पायलट परियोजनाओं की शुरुआत की हैं। देश में इसके तहत दस निर्धारित मार्गों पर बसों और ट्रकों सहित कुल 37 वाहनों का परीक्षण किया जाएगा। इन परियोजनाओं के लिए 208 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, और इन्हें 18-24 महीनों के भीतर शुरू करने की योजना है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत हाइड्रोजन ईंधन आधारित वाहनों के परीक्षण के लिए पांच पायलट परियोजनाओं की शुरुआत की गई है। टाटा मोटर्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य प्रमुख उद्योग खिलाड़ियों को ये परियोजनाएं दी गई हैं। इस पहल में हाइड्रोजन ईंधन सेल-आधारित और आंतरिक दहन इंजन वाहन, साथ ही हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशनों की स्थापना शामिल है। इससे पहले नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने इस मिशन के तहत परिवहन क्षेत्र में पायलट परियोजनाओं को लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके अनुसार विभिन्न प्रकार के हाइड्रोजन आधारित वाहनों, मार्गों और हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशनों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे। इसकी विस्तृत जांच के बाद नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने कुल 37 वाहनों (बसों और ट्रकों) और 9 हाइड्रोजन ईंधन भरने वाले स्टेशनों से युक्त पांच पायलट परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजना टाटा मोटर्स लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एनटीपीसी,

एएनईआरटी, अशोक लीलैंड, एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल जैसी प्रमुख कंपनियों को दी गई हैं। सरकार चयनित परियोजनाओं के लिए करीब 208 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। इन पायलट परियोजनाओं के अगले 18-24 महीनों में शुरू होने की संभावना है, जिससे देश में ऐसी प्रौद्योगिकियों के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।

मंत्रालय ने बताया कि परीक्षण के लिए चुने जाने वाले वाहनों में 15 हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित वाहन और 22 हाइड्रोजन आंतरिक दहन इंजन आधारित वाहन शामिल हैं। ये वाहन देशभर में 10 अलग-अलग मार्गों, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली-आगरा, भुवनेश्वर-कोणार्क-पुरी, अहमदाबाद-वडोदरा-सूरत, साहिबाबाद-फरीदाबाद-दिल्ली, पुणे-मुंबई, जमशेदपुर-कलिंग नगर, तिरुवनंतपुरम-कोच्चि, कोच्चि-एडापल्ली, जामनगर-अहमदाबाद और एनएच-16 विशाखापत्तनम-बय्यावरम पर चलेंगे। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन 04 जनवरी, 2023 को वित्त वर्ष 2029-30 तक 19,744 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था। यह मिशन स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से देश के आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य में योगदान देगा, जबकि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा के लिए प्रेरणा का काम करेगा। इस मिशन से जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता कम होगी। देश को हरित हाइड्रोजन में प्रौद्योगिकी और बाजार में अग्रणी भूमिका हासिल करने में मदद मिलेगी।

दुनिया भर में 2024 में 14 महिला पत्रकार समेत 122 मीडिया पेशेवरों की हुई हत्या

ब्रसेल्स। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (आईएफजे) ने पत्रकारों और मीडिया कर्मचारियों की हत्या पर अपनी 34वीं वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसमें वर्ष 2024 में दुनिया भर में 14 महिला पत्रकार समेत 122 मीडिया पेशेवरों की मौतों का विवरण है। फेडरेशन ने संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से पत्रकारों की हत्याओं के लिए दंड से मुक्ति को समाप्त करने के लिए पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता पर आईएफजे के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को तत्काल अपनाने का आह्वान किया है। आईएफजे के अध्यक्ष डोमिनिक प्राडेली ने कहा, यह वर्ष पत्रकारों के लिए सबसे घातक वर्षों में से एक है, जिसमें फिलिस्तीन लगातार दूसरे वर्ष सबसे खतरनाक देश रहा है। हमारे बार-बार आह्वान और चेतावनियों के बावजूद, इज़राइल ने फिलिस्तीन, लेबनान और सीरिया में पत्रकारों का नरसंहार जारी रखा है। पत्रकारों के खिलाफ इजरायल के अपराधों को दंडित किए बिना नहीं रहना चाहिए। पश्चिम एशिया और अरब जगत में पत्रकारों की मृत्यु दर 2024 में भयानक थी, जो कुल 77 तक पहुँच गई। इनमें से ज़्यादातर मौतें गाजा और लेबनान में युद्ध के कारण हुई।

फ्रांस, ब्रिटेन ने यूक्रेन में एक महीने के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा: मैक्रों

लंदन/पेरिस। फ्रांस और ब्रिटेन ने यूक्रेन में 'हवा, समुद्र और ऊर्जा अवसंरचना में' एक महीने के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दैनिक समाचार पत्र ले फेगारो को ह जानकारी दी है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने लंदन में यूक्रेन पर शिखर सम्मेलन से पहले घोषणा की कि पेरिस और लंदन युद्ध को रोकने के लिए एक योजना पर काम कर रहे हैं। ब्रुसेल्स टाइम ने रिपोर्ट में बताया कि राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया कि इस तरह के संघर्ष विराम का एक फायदा यह है कि ÷पेरिस-बुडापेस्ट लाइन के बराबर विशाल मोर्चे को देखते हुए इसे मापा जा सकता है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में शत्रुता का अंत करने में जमीनी लड़ाई शामिल नहीं होगी क्योंकि युद्ध विराम के मामले में यह सत्यापित करना बहुत मुश्किल होगा कि मोर्चे का सम्मान किया गया है।उन्होंने कहा कि यूरोपीय सैनिकों की तैनाती में फ्रांस और ब्रिटेन के सैनिक भाग लेने के लिए तैयार हैं और यह बाद के पता चल पायेगा।श्री मैक्रों ने ले फिगारो को बताया आने वाले हफ्तों में यूक्रेनी धरती पर कोई यूरोपीय सैनिक नहीं होंगे। उन्होंने इस समय का उपयोग युद्धविराम वार्ता के लिए करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, हम हर हाल में शांति चाहते हैं लेकिन किसी भी कीमत और बिना किसी गारंटी के।

ईरान के उप राष्ट्रपति जरीफ ने दिया इस्तीफा

तेहरान। ईरान के उप राष्ट्रपति मोहम्मद जवाद जरीफ ने पिछले साल अगस्त में अपनी नियुक्ति के बाद दूसरी बार उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया है। श्री जरीफ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने रविवार को ईरान के न्यायपालिका प्रमुख से मुलाकात की और न्यायपालिका प्रमुख ने उनके विश्वविद्यालय लौटने की सिफारिश स्वीकार कर लिया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उपराष्ट्रपति पद से हटने से प्रशासन की सफलता के मार्ग में आने वाली अडचनें समाप्त हो जाएंगी। आधिकारिक समाचार एजेंसी इरना ने बताया कि राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को रविवार रात श्री जरीफ का इस्तीफा पत्र मिला, लेकिन उन्होंने अभी तक इसका जवाब नहीं दिया है। मीडिया ने बताया कि संवेदनशील व्यवसायों पर ईरान के कानून के अनुसार श्री जरीफ को उपराष्ट्रपति के रूप में नियुक्त करना कानून का स्पष्ट उल्लंघन माना जाता है क्योंकि उनके दो बच्चों के पास अमेरिकी नागरिकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रशासन के कार्यकाल की शुरुआत से ही कई ईरानी सांसद इस पद पर उनकी अवैध नियुक्ति पर नज़र रेख हुए थे।श्री पेजेशकियन ने पिछले साल अगस्त में पूर्व विदेश मंत्री श्री ज़रीफ़ को रणनीतिक मामलों के लिए उपाध्यक्ष और सामरिक अध्ययन केंद्र का प्रमुख नियुक्त किया था।

उत्तर-पश्चिम तुर्की में बस दुर्घटना में 37 लोग घायल

इस्तांबुल। यूनान से आ रही एक पर्यटक बस उत्तर-पश्चिमी तुर्की के कनाकाले प्रांत में सड़क से खेत में उतरने से उसमें सवार 37 यात्री घायल हो गए।समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार, यह दुर्घटना स्थानीय समयानुसार सुबह छह बजे हुई। बस में 42 यात्री सवार थी और बस पश्चिमी बंदरगाह शहर इज़मिर जा रही थी तभी अचानक से बस चालक का बस उस पर से नियंत्रण खो दिया। बस सड़क से उतरकर खेतों में चली गयी और पेड़ों से टकराने के बाद रुक गई। अधिकारियों ने घटनास्थल पर सैन्यदल, चिकित्सा और खोज-बचाव दल को भेजा। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। दुर्घटना के कारण की जांच चल रही है।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने जापानी जज युजी इवासावा को चुना नया अध्यक्ष

एजेंसी

हेग । जापानी जज युजी इवासावा को नीदरलैंड के हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) का नया अध्यक्ष चुना गया है। वह आईसीजे के पूर्व अध्यक्ष नवाफ सलाम की जगह लेंगे, जिन्होंने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले जनवरी में इस्तीफा दे दिया था। आईसीजे ने घोषणा की कि इवासावा युजी को उनके साथी जजों ने न्यायालय का अध्यक्ष चुना।

इवासावा 22 जून, 2018 से न्यायालय के जज हैं। न्यायालय में शामिल होने से पहले, इवासावा टोक्यो यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर और संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति के अध्यक्ष थे। इवासावा न्यायालय के शीर्ष पद पर आसीन होने वाले दूसरे जापानी नागरिक बन गए हैं। उनसे पहले हिसाशी ओवाडा इस पद तक पहुंचने वाले पहले जापानी थे। उन्होंने 2009 से 2012 तक आईसीजे के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। 'एनएचके वर्ल्ड जापान' से बात करते हुए इवासावा ने कहा कि वह कानून के शासन और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान को बढ़ावा देने के आईसीजे के प्रयासों में योगदान देना चाहते हैं।

आईसीजे के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव न्यायालय के सदस्य हर तीन साल में गुप्त मतदान के जरिए करते हैं। इसके लिए पूर्ण बहुमत की जरुरत होती है, और राष्ट्रीयता की कोई शर्त नहीं होती। अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव फिर से किया जा सकता है। अध्यक्ष न्यायालय की सभी बैठकों का नेतृत्व करते हैं, बजटीय और प्रशासनिक समिति की मदद से इसके संचालन और प्रशासन की देखरेख करते हैं। वह न्यायालय के सदस्यों से बनी अन्य समितियों की भी मदद लेते हैं।

न्यायिक विचार-विमर्श के दौरान बराबरी की स्थिति में, अध्यक्ष के पास निर्णायक मत देने का अधिकार होता है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायिक अंग है। इसकी स्थापना जून 1945 में संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत की गई थी। अप्रैल 1946 में इसने अपना कामकाज शुरू किया था। न्यायालय में 15 जज होते हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र की महासभा और सुरक्षा परिषद नौ वर्ष के कार्यकाल के लिए चुनती हैं। न्यायालय की दोहरी भूमिका है- पहला, देशों की तरफ से प्रस्तुत कानूनी विवादों को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निपटाना; और दूसरा, संयुक्त राष्ट्र के विधिवत अधिकृत अंगों और एजेंसियों द्वारा संदर्भित कानूनी प्रश्नों पर सलाहकार राय देना।

शांतिरक्षा मिशनों पर उच्च स्तरीय बहस आयोजित करेगा: संरा

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र में डेनमार्क की स्थायी प्रतिनिधि और मार्च 2025 के लिए सुरक्षा परिषद की अध्यक्ष राजदूत क्रिस्टीना मार्कस लासेन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन पर मार्च में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उच्च स्तरीय बहस होगी। लासेन ने संवाददाताओं से कहा, हमने कार्यक्रम में एक हस्ताक्षर कार्यक्रम जोड़ा है, जिसका हमें लगता है कि इसका एक बहुत स्पष्ट परिचालन उद्देश्य है। यह संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर चर्चा करना है। उन्होंने शांति अभियानों को संघर्ष प्रबंधन और समाधान के अपरिहार्य उपकरण के रूप में वर्णित किया। राजदूत ने कहा, बहुत सारी प्रक्रियाएं चल रही हैं और शांति स्थापना के सवाल पर [बहुत सारी] बहसें हो रही हैं।उन्होंने कहा, इस प्रकार, डेनमार्क चाहता है कि इस मुद्दे पर यूएनएससी के भीतर चर्चा हो। लासेन ने कहा कि डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन उच्च स्तरीय बहस की अध्यक्षता करेंगे, और इच्छुक सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी की आशा व्यक्त करेंगे।

फिलिस्तीन ने इजरायल से गाजा छोड़ने की अपील की

एजेंसी

गाजा । फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय और प्रवासी मंत्रालय ने इजरायली सेना से गाजा पट्टी से हटने और फिलिस्तीन राज्य को अपनी जिम्मेदारियां निभाने का अवसर देने की अपील की है। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस कब्जे के खिलाफ कदम उठाना चाहिए ताकि युद्धविराम स्थापित किया जा सके और फिलिस्तीन राज्य को अपने वैध संस्थानों के साथ गाजा और 1967 से कब्जे वाले पूरे फिलिस्तीनी क्षेत्र पर अपनी संप्रभुता बढ़ाने का मौका मिले। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह फिलिस्तीनी लोगों और उनके अधिकारों के खिलाफ हो रही आक्रामकता को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाए। समाचार एजेंसी के मुताबिक, इससे पहले शनिवार को हमास और इजरायल के बीच तीन चरणों में होने वाले युद्ध विराम समझौते का 42 दिन का पहला चरण समाप्त हो गया था, लेकिन इसके

अगले चरण के लिए कोई सफलता की घोषणा नहीं की गई।

इजरायल ने पहले चरण को 42 दिन और बढ़ाने की मांग की, लेकिन हमास ने इसे अस्वीकार कर दिया और दूसरे चरण के लिए बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई। दूसरे चरण में इजरायली बंधकों की रिहाई, गाजा से इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और स्थायी युद्धविराम की शर्तें तय की जानी हैं। बता दें कि इससे पहले इजरायली अधिकारियों ने कहा था कि सेना गाजा-मिस्र सीमा से हटने के लिए तैयार नहीं है, जबकि संघर्ष विराम समझौते में शनिवार तक वापसी की बात की गई थी। इस समझौते के पहले चरण के दौरान, इजरायल को सैकड़ों फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में चार बंधकों के शव मिले, जिनकी पहचान बाद में फोरेंसिक विशेषज्ञों ने की। इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, तीन बंधकों की मौत उनकी कैद के दौरान हुई, जबकि चौथे की मौत 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में हुई थी। तेल अवीव में फोरेंसिक विशेषज्ञों ने हमास द्वारा शव सौंपे जाने के बाद चार शवों की पहचान की पुष्टि की थी।

भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं : मोहम्मद यूनुस

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा है कि भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं है। श्री यूनुस ने प्रकाशित एक साक्षात्कार में बीबीसी बांग्ला से कहा, 'बीच में कुछ संघर्ष देखे गए थे। मैं कहूंगा कि कुछ संकट के बादल छाये, ये बादल ज्यादातर प्रचार के माध्यम से आए। अन्य लोग इनके स्रोतों को दुष्प्रचार मानेंगे।

यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब देश में अंतरिम सरकार के सात महीने पूरे होने वाले है। अंतरिम सरकार का गठन पिछले साल पांच अगस्त को तथाकथित 'छात्र-नेतृत्व' विरोध के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाने के बाद किया गया था। यूएनबी ने राजनयिक सूत्रों के हवाले से कहा है कि चार अप्रैल 2025 को बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान मुख्य सलाहकार श्री यूनुस और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच पहली बार मुलाकात हो सकती है। श्री यूनुस ने एक विशिष्ट प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि दोनों पड़ोसियों के बीच संबंध बहुत अच्छे हैं और 'कोई गिरावट नहीं आई है।' उन्होंने कहा कि कुछ गलतफहमियाँ हुई हैं। श्री यूनुस ने कहा, 'हम उन गलतफहमियों को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे बुनियादी संबंधों में कोई समस्या नहीं है।'

मुख्य सलाहकार ने कहा कि उन्होंने हमेशा समझाया है कि बंगलादेश और भारत के बीच संबंध बहुत गहरे हैं, फिर भी संबंध अच्छे हैं और भविष्य में भी अच्छे बने रहेंगे। श्री यूनुस ने कहा, दोनों देशों के बीच अच्छे संबंध बनाए रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि बंगलादेश और भारत के बीच संबंध 'ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक रूप से बहुत करीबी हैं और वे इससे 'विचलित नहीं हो सकते।' उन्होंने एक दूसरे पर बहुत अधिक अंतरनिर्भरता का भी उल्लेख किया और कहा कि दोनों देशों के बीच निरंतर संवाद है। श्री मोदी ने अंतरिम सरकार के गठन के बाद मुख्य सलाहकार श्री यूनुस को एक संदेश भेजा एवं बाद में उन्होंने टेलीफोन पर बातचीत की और प्रोफेसर यूनुस को पिछले साल 17 अगस्त को नई दिल्ली द्वारा वर्चुअल रूप से आयोजित तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने एक जनवरी को स्पष्ट किया कि तीन बड़े देशों - भारत, चीन और अमेरिका के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना 2025 में प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दिल्ली के साथ ढाका के संबंध एक मुद्दे से आगे बढ़ेंगे।

रूस का हवाई आतंक जारी, हमें चाहिए और मदद : यूक्रेनी राष्ट्रपति

एजेंसी

कीव। राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन सामान्य और सुरक्षित जीवन के लिए लड़ रहा है, जिसका वह हकदार है। हम चाहते हैं कि यह युद्ध समाप्त हो। लेकिन रूस ऐसा नहीं चाहता। उन्होंने दावा किया कि रूस का 'हवाई आतंक' जारी' है। जेलेंस्की ने कहा, 'पिछले सप्ताह में शहरों को नष्ट करने और लोगों को मारने के लिए यूक्रेन पर 1,050 से अधिक ड्रोन, लगभग 1,300 हवाई बम और 20 से अधिक मिसाइलें दागी गईं।'

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, 'जो लोग बातचीत चाहते हैं, वे जानबूझकर बैलिस्टिक मिसाइलों से नागरिकों पर हमला नहीं करते। रूस को अपने हमले रोकने के लिए मजबूर करने के लिए, हमें दुनिया से अधिक सामूहिक ताकत की आवश्यकता है।'

जेलेंस्की ने कहा, 'हमारी वायु

रक्षा को मजबूत करना, हमारी सेना का समर्थन करना, और प्रभावी सुरक्षा गारंटी सुनिश्चित करना जो रूसी आक्रमण की वापसी को असंभव बना दे - यही वो चीज है जिस पर हमें ध्यान केंद्रित करना चाहिए। न्याय की जीत होनी चाहिए। हम एकता की शक्ति में विश्वास करते हैं, और हम निश्चित रूप से स्थायी शांति बहाल करेंगे।'

इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति तीन व्यस्त दिनों के बाद कीव वापस आ गए। उनका वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस के साथ तनावपूर्ण और सार्वजनिक टकराव हुआ जिसे पूरी दुनिया ने देखा। सप्ताहांत में लंदन में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जहां डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर प्रधानमंत्री ने उनका स्वागत किया। उन्होंने किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलकात की। एक शिखर सम्मेलन में यूरोपीय नेताओं ने उनके प्रति जोरदार समर्थन का प्रदर्शन किया ।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने यूक्रेन की मदद के लिए बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूके, कीव को 5,000 से अधिक एयर डिफेंस मिसाइलों की खरीद के लिए ब्रिटिश निर्यात वित्त के 1.6 बिलियन पाउंड (2 बिलियन डॉलर) इस्तेमाल करने की अनुमति देगा।

लंदन में पश्चिमी नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन के बाद रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टारमर ने कहा, यह बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और यूक्रेन की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण होगा।

सीरिया में विस्फोट में तीन लोगों की मौत, 20 घायल

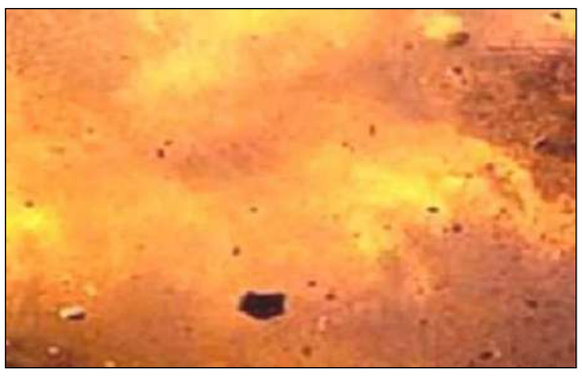

एजेंसी

बेरूत। सीरिया के पूर्वोत्तर शहर अल बुकामल में इराक की सीमा के पास एक विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। सीरियाई मीडिया ने यह जानकारी दी।

समाचार एजेंसी ने बताया कि विस्फोट डेर एज़-ज़ोर गवर्नरेट के पूर्व में शहर के प्रवेश द्वार पर हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि नागरिक सुरक्षा टीमें घटनास्थल पर काम कर रही हैं और विस्फोट के परिणामस्वरूप गैस स्टेशन पर लगी आग पर काबू पाने में कामयाब रही।

इजरायल ने सीरियाई वायु रक्षा बटालियन पर किए हवाई हमले

एजेंसी

दमिश्क । इजरायल ने एक बार फिर सीरिया में हवाई हमले किए हैं। सीरियाई सरकारी मीडिया और एक युद्ध मॉनिटर के मुताबिक, इजरायल ने सीरिया के पश्चिमी तटीय शहर टार्टस के पास एक सीरियाई वायु रक्षा बटालियन को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं।

सोमवार रात को हुए हमले में टार्टस के बाहरी इलाकों को निशाना बनाया गया, जिसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

समाचार एजेंसी ने सीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी सना के हवाले से बताया कि सीरियाई नागरिक सुरक्षा दल और सैन्य विशेषज्ञों को नुकसान का आकलन करने और हमलों के सटीक स्थानों की पुष्टि करने के लिए तैनात किया गया है। एक स्थानीय टीवी चैनल ने

बताया कि हमला टार्टस में एक वायु रक्षा बटालियन पर हुआ था। इस बीच, सीरियाई ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने टार्टस बंदरगाह पर एक बड़े विस्फोट की सूचना दी, जो अज्ञात विमानों की उपस्थिति के साथ मेल खाता है। माना जाता है कि इजरायल द्वारा ही इन विमानों को भेजा गया था।हमले से पहले स्थानीय निवासियों को कथित तौर पर चेतावनी वाले संदेश भेजे गए थे। इन संदेशों में कहा गया था कि आतंकवादियों के रहने वाले क्षेत्रों से दूर रहें। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कर्दाहा में एक सैन्य स्थल पर हमला किया है, जो कि टार्टस के पास एक शहर है और पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद का गृहनगर भी है। एड्रै ने कहा, इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने सीरिया में एक सैन्य साइट पर हमला किया, जो सीरियाई शासन के लिए हथियारों के भंडारण के लिए उपयोग किया जाता था। यह हमला क्षेत्र में हाल की घटनाओं के जवाब में किया गया था। बशर अल-असद की सरकार के पतन के बाद सीरिया में यह इजरायल का ताजा हमला था। इसके बाद इजरायल ने सीरिया में सुरक्षाबलों को तैनात किया और वहां हवाई हमले तेज किए।

आतंकी हमलों में नागरिक हताहतों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि

एजेंसी

इस्लामाबाद । आंतकवाद की चुनौती का सामाना कर रहे पाकिस्तान में हालात गंभीर होते जा रहे हैं। जारी नवीनतम आंकड़ों में सामने आया कि फरवरी महीने के दौरान देश में आतंकी हमलों में नागरिक हताहतों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि हुई। अधिकारियों का दावा है कि फरवरी 2025 के दौरान पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में मामूली गिरावट देखी गई। सुरक्षाकर्मियों की तुलना में जान गंवाने वाले नागरिकों की संख्या काफी अधिक रही। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के अनुसार, फरवरी के दौरान पाकिस्तान में कम से कम 79 आतंकवादी हमले हुए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 55 नागरिक और 47 सुरक्षाकर्मी मारे गए, जबकि 81 सुरक्षाकर्मी और 45 नागरिक घायल हुए। पीआईसीएसएस की रिपोर्ट में कहा गया, फरवरी 2025, अगस्त 2024 के बाद पहला महीना होगा, जिसमें नागरिकों की मौत सुरक्षा बलों की मृत्यु से अधिक हुई। जनवरी 2025 की तुलना में नागरिकों की मृत्यु में 175 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सुरक्षा कर्मियों की मृत्यु में कम से कम 18 फीसदी की कमी आई। पीआईसीएसएस ने यह भी कहा कि जनवरी 2025 की तुलना में - [जब कम से कम 20 नागरिक मारे गए थे और 57 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे] - सुरक्षा बलों ने अपने आतंकवाद विरोधी अभियान तेज किए, जिसमें कम से कम 156 आतंकवादी मारे गए, 20 घायल हुए और 66 को गिरफ्तार किया गया। हालांकि जनवरी 2025 की तुलना में आतंकवादियों के हताहत होने की संख्या में भी गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में 208 की तुलना में फरवरी 2025 के दौरान कम से कम 156 आतंकवादी मारे गए, जो 25 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट है। प्रांतों में, खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांत 2025 में भी सबसे अधिक अस्थिर क्षेत्र बने रहे। आंकड़ों के अनुसार, बलूचिस्तान में कम से कम 32 हमले दर्ज किए गए, जिसके परिणामस्वरूप कम से कम 56 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 36 नागरिक, 10 सुरक्षाकर्मी और 11 आतंकवादी शामिल हैं। हमलों में 44 लोग घायल हुए, जिनमें 32 सुरक्षाकर्मी और कम से कम 12 नागरिक शामिल हैं।

अमेरिका पुतिन की हर बात को सच नहीं मानता: वेंस

एजेंसी

मॉस्को। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिका यह नहीं मानता कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जो कुछ भी कहते हैं वह सच है, लेकिन वाशिंगटन

बातचीत करने और उचित संबंध स्थापित करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि वह शांति पर बात करने के लिए तैयार हैं और निश्चित रूप से, हम भरोसा करते हैं लेकिन सत्यापित करते हैं। हम बातचीत करना चाहते हैं। हम यह नहीं मानते हैं कि कोई भी जो कुछ भी हमें बताता है वह सच है। वेंस ने 'फॉक्स न्यूज' को बताया इसलिए हम इस बातचीत में शामिल होना चाहते हैंज यह एक-पर-एक कूटनीति है, बातचीत शुरू करने में सक्षम होने के लिए आपको किसी के साथ उचित संबंध रखना होगा.. राष्ट्रपति समझौता करना चाहते हैं। यदि आप किसी से बात ही नहीं कर सकते तो आप कैसे मोलभाव कर सकते हैं?

डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सभी सहायता पर लगाई रोक

एजेंसी

वाशिंगटन । कई अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन को दी जाने वाली सहायताओं पर तब तक रोक लगा दी है, जब तक कि राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूस के साथ युद्ध समाप्त करने की प्रतिबद्धता नहीं जता देते। अज्ञात अधिकारियों का हवाला देते हुए फॉक्स न्यूज ने बताया कि यह आदेश शीघ्र ही आने वाला है। राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए यूक्रेन के मुद्दे पर बात करेंगे। यह बात कनाडा और मैक्सिको से आयात पर 25 प्रतिशत तथा चीन से आयात पर 20 प्रतिशत टैरिफ वृद्धि लागू होने के कुछ घंटों बाद कही जा रही है। व्हाइट हाउस में पूछा गया कि यूक्रेन के साथ बातचीत फिर से शुरू करने के लिए क्या करना होगा, जिसमें देश के दुर्लभ खनिजों के अधिकारों को सुरक्षित करने का सौदा शामिल है। यह सौदा

तब टूट गया था जब ओवल ऑफिस की बैठक में राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ ट्रंप का तीखा संवाद हुआ था। ट्रंप ने कहा था, मुझे लगता है कि आपको थोड़ा और कृतज्ञ होना चाहिए, क्योंकि यह देश (अमेरिका) आपके साथ हर मुश्किल में खड़ा रहा है। लंदन में जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें डर है कि रूस के साथ युद्ध लंबा चलेगा। इस पर ट्रंप ने कहा कि वह उम्मीद करते हैं कि जेलेंस्की गलत हों। उन्होंने आगे कहा कि रूस भी युद्ध खत्म करना चाहता है और यूक्रेन के लोग भी यही चाहते हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की और यूक्रेन के लोगों के बीच दूरी दिखाने की कोशिश की, जो उनके रिपब्लिकन समर्थकों में खूब चर्चा में है।

कुछ हफ्ते पहले ट्रंप ने जेलेंस्की को तानाशाह कहा था और सुझाव दिया था कि वह चुनाव इसलिए नहीं करा रहे क्योंकि उन्हें हार का डर है। ओवल ऑफिस में हुए झगड़े के बाद, रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने जेलेंस्की से इस्तीफा देने को कहा। ग्राहम 2022 में रूस के हमले के खिलाफ यूक्रेन का समर्थन करते रहे हैं।

हालांकि वह अक्सर दोस्ती और गठबंधन में बदलाव के लिए भी जाने जाते हैं। इस पर जेलेंस्की ने जवाब दिया था कि वह सिर्फ यूक्रेन के वोटरों को जवाब देते हैं। उन्होंने ग्राहम को यूक्रेन की नागरिकता लेने की पेशकश की, ताकि वह वोट देकर उन्हें हटा सकें।

स्ट्रॉबेरी की खेती

स्ट्रॉबेरी का वानस्पतिक नाम फ्रेगेरिया अननासा है। यह रोजेसी कुल का सदस्य है। इसका पौधा शाकीय, छोटा, कोमल तथा बहुवर्षीय होता है। इसका तना नाममात्र का तथा पूर्ण विकसित त्रिपत्री पत्तियां होती हैं। यह दो अन्य प्रजातियों (फ्रेगेरिया चिलयोनसिस एवं फ्रेगेरिया बरजीनियाना) के प्राकृतिक संकरण से विकसित किया गया है। स्ट्रॉबेरी के फल बडे लुभावने, रसीले एवं पौष्टिक होते हैं। ये मध्यम आकार (10 से 15 ग्राम), चित्ताकर्षक, सुवासयुक्त और सिंदूरी रंग लिए हुए बहुत ही नरम होते हैं।

इनका खाने योग्य भाग लगभग 98 प्रतिशत होता है । इन फलों में विटामिन- सी तथा लौह तत्व प्रचुर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह अपने विशेष स्वाद एवं रंग के साथ-साथ औषधीय गुणों के कारण भी एक महत्वपूर्ण फल है। इसका उपयोग कई मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे आईसक्रीम, जैम, जैली, कैंडी, केक इत्यादि बनाने के लिए भी किया जाता है। इसकी खेती अन्य फल वाली फसलों की तुलना में कम समय में ज्यादा मुनाफा दिला सकती है। यह अल्प अवधि (4 से 5 महीने) में ही फलत देने वाली फसल है।

भारत में कुछ वर्षों पूर्व तक स्ट्रॉबेरी की खेती केवल पहाड़ी क्षेत्रों जैसे उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, कश्मीर घाटी, महाराष्ट्र, कालिम्पोंग इत्यादि जगहों तक ही सीमित थी। वर्तमान में नई उन्नत प्रजातियों के विकास से इसको उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा रहा है। इसके कारण यह मैदानी भागों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार आदि राज्यों में अपनी अच्छी पहचान बना चुकी है।

तकनीकी जानकारी के अभाव में किसान भाई इसकी खेती करने में अपने आपको असहज महसूस करते हैं। जबकि यदि स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक तकनीक से खेती की जाये, तो इसकी फसल से अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। अत: इस लेख में स्ट्रॉबेरी की वैज्ञानिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया है। इससे किसान भाई उच्च उत्पादन व गुणवत्ता वाले फल प्राप्त करके अधिकाधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं।

उपयुक्त जलवायु

स्ट्रॉबेरी शीतोष्ण जलवायु की फसल है, परंतु उन्नत किस्मों के विकास से इसको अब समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय जलवायु में भी सफलतापूर्वक उगाया जा सकता है। यह कम प्रकाश अवधि (शॉर्ट डे) वाला पौधा है। इसमें पुष्पन प्रारंभ होने के लिए लगभग 10 दिनों तक 8 घंटे से कम प्रकाश अवधि की जरूरत होती है। पौधों की अच्छी बढ़वार के लिए दिन का अधिकतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 7 से 13 डिग्री सेल्सियस उपयुक्त माना गया है। इसके फूलों व नाजुक फलों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक (लो टनल टैक्नीक) का प्रयोग किया जा सकता है।

भूमि का चयन

स्ट्रॉबेरी की खेती लगभग सभी प्रकार की मृदाओं में की जा सकती है। अधिक तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन के लिए अच्छे जल निकास वाली, जीवाशयुक्त, हल्की बलुई दोमट मृदा, जिसका पी एच मान 5.5 से 6.5 के मध्य हो, उपयुक्त रहती है। मृदा में कैल्शियम की अधिक मात्रा से पौधे की पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। क्षारीय एवं सूत्रकृमि ग्रसित भूमि भी स्ट्रॉबेरी की खेती के लिए उपयुक्त नहीं रहती है।

स्ट्रॉबेरी उथली जड़ वाला पौधा है। अत- रोपाई के पूर्व खेत को भली भांति तैयार कर लेना चाहिए। इसके लिए एक जुताई मृदा पलटने वाले हल से तथा 2 से 3 जुताई देसी हल से करके पाटा चलाकर मृदा को अच्छी तरह भुरभुरा बना लेना चाहिए। यदि मिटटी में किसी कवक या बीमारी का प्रकोप हो तो उसे उपचारित कर लें। इसके लिए गर्मियों में जब तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के मध्य हो, मृदा सौरीकरण कर लेना चाहिए।

सौरीकरण करने के लिए क्यारियों को हल्का नम कर या हल्की सिंचाई कर, 200 गेज की प्लास्टिक की पारदर्शी फिल्म से 6 से 8 सप्ताह तक ढककर रखें। प्लास्टिक फिल्म के किनारों को मिटटी से ढक देना चाहिए, ताकि हवा अंदर प्रवेश नहीं कर पाए। इस प्रक्रिया से प्लास्टिक फिल्म के अंदर का तापमान 48 से 56 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। इससे मिटटी में मौजूद हानिकारक कीट, रोगों के बीजाणु तथा कुछ खरपतवारों के बीज भी नष्ट हो जाते हैं। आजकल इसके लिए कई तरह के रसायनों का भी प्रयोग किया जाता है।

क्यारियां तैयार करना

स्ट्रॉबेरी के व्यावसायिक उत्पादन के लिए जमीन की सतह से लगभग 25 से 30 सेंटीमीटर ऊंची उठी हुई क्यारियां (रेज्ड बैड) बनाएं। क्यारियों की चौड़ाई 100 से 120 सेंटीमीटर तथा लंबाई खेत की स्थिति के अनुसार रखी जा सकती है। क्यारियों की देखभाल तथा विभिन्न कार्य करने के लिए दो क्यारियों के बीच में 40 से 50 सेंटीमीटर चौड़ा खाली स्थान (रास्ता) रखा जाता है। उठी हुई क्यारियां बनाने से अधिक जल आसानी से बाहर निकल जाता है। इससे रोगों का प्रकोप कम होता है। साथ ही टपक सिंचाई यंत्र स्थापित करने में भी आसानी रहती है।

स्ट्रॉबेरी का प्रवर्धन मुख्यत: रनर्स (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है। यह वानस्पतिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से लगभग 7 से 15 रनर्स प्राप्त हो जाते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से विषाणुमुक्त पौधों का प्रवर्धन संभव है। साथ ही इससे वर्षभर पौधे भी प्राप्त किए जा सकते हैं। खेत में लगाने के लिए 4 से 6 पत्तियों वाले पौधे उपयुक्त होते हैं।

स्ट्रॉबेरी के पौधों को रोपने का सही समय जलवायु पर निर्भर करता है। उत्तरी भारत में इसकी रोपाई सितंबर से नवंबर के मध्य की जा सकती है। रोपण करते समय यह ध्यान रहे कि रनर्स स्वस्थ तथा कीट एवं रोगरहित होने चाहिए। यह पौधों के रोपण की दूरी, उगाई जाने वाली किस्म, मृदा की भौतिक दशा, रोपण विधि और उगाने की दशा इत्यादि पर निर्भर करता है।

कुछ स्थानों पर इसके रोपण की दूरी 30 X 60 सेंटीमीटर रखते हैं। इससे प्रति हैक्टर लगभग 55 हजार से 60 हजार पौधों की जरूरत होती है। अधिक उपज लेने के लिए पौधे से पौधे एवं कतार से कतार की दूरी 30 सेंटीमीटर रखी जाती है। यदि इस दूरी पर पौधों का रोपण करते हैं, तो एक हैक्टर के लिए लगभग 1 लाख 11 हजार पौधों की जरूरत होती है।

खाद एवं उर्वरक

खाद एवं उर्वरकों के उपयोग का मुख्य उद्देश्य पौधों के समुचित विकास और बढ़वार के साथ ही मृदा में अनुकूल पोषण दशाएं बनाए रखना होता है। उर्वरकों को काम में लेने का उचित समय सामान्य तौर पर मृदा प्रकार, पोषक तत्व, जलवायु और फसल के स्वभाव पर निर्भर करता है। इनकी मात्रा, मृदा की उर्वरता तथा फसल को दी गई कार्बनिक खादों की मात्रा पर निर्भर करती है। यदि संतुलित मात्रा में खाद एवं उर्वरक दिए जाएं तो निश्चित रूप से पौधों की अच्छी बढ़वार और अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

अत- हमेशा मृदा जांच के उपरांत ही खाद एवं उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए। सामान्यत: खेत तैयार करते समय 10 से 12 टन कम्पोस्ट खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्राम फॉस्फोरस व 25 किलोग्राम पोटाश प्रति एकड़ की दर से डालनी चाहिए। इसमें फर्टिगेशन के रूप में एन पी के 19:19:19 की 25 ग्राम मात्रा प्रति वर्गमीटर की दर से सम्पूर्ण फसल चक्र में देनी चाहिए। यह मात्रा 15 दिनों के अंतराल पर 4 से 5 भागों में बांटकर देनी चाहिए। स्ट्रॉबेरी में सूक्ष्म पोषक तत्वों का छिड़काव भी उत्पादन बढ़ाने में सहायक होता है।

स्ट्रॉबेरी उत्पादन में यह एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह कार्य जमीन की ऊपरी सतह पर सूखे पत्तों, टहनियों या घासफूस से ढककर किया जाता है। परंतु आजकल पलवार बिछाने के लिए अधिकतर प्लास्टिक मल्च का प्रयोग किया जाता है। स्ट्रॉबेरी में इसका प्रयोग करने से फल सीधे मिट्टी के संपर्क में नहीं आते हैं। इससे फलों को सड़ने से बचाया जा सकता है। साथ ही यह खरपतवारों का नियंत्रण करने एवं सिंचाई की आवश्यकता को कम करने का कार्य करती है।

पलवार के लिए सामान्यतया काले रंग की लगभग 50 माइक्रॉन मोटाई वाली प्लास्टिक की फिल्म का उपयोग किया जाता है। प्लास्टिक फिल्म बिछाने का कार्य पौध रोपण के लगभग एक महीने बाद, जब पौधे अच्छी तरह स्थापित हो जाएं, तब करते हैं। क्यारियों में प्लास्टिक पलवार बिछाते समय पौधे से पौधे व कतार से कतार की दूरी को ध्यान में रखते हुए छेद करते हैं, जिससे पौधे आसानी से ऊपर आ जाएं। पलवार बिछाने से पूर्व ड्रिप (टपक) सिंचाई प्रणाली क्यारियों में व्यवस्थित कर दी जाती है।

स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाने के कुछ समय पश्चात उनके आसपास विभिन्न प्रकार के खरपतवार उग आते हैं। ये पौधों के साथ पोषक तत्वों, स्थान, नमी, वायु आदि के लिए स्पर्धा करते रहते हैं। इसके साथ ही ये विभिन्न प्रकार के कीट एवं रोगों को आश्रय प्रदान करते हैं। अक्टूबर में रोपित पौधों से नवंबर में फुटाव शुरू हो जाता है। फुटाव शुरू होने पर खेत की निराई-गुड़ाई करके खरपतवार निकाल देने चाहिए।

स्ट्रॉबेरी में पानी लगाने का सही समय कई कारकों जैसे मृदा प्रकार, मृदा में कार्बनिक पदार्थों की मात्रा मौसम इत्यादि पर निर्भर करता है। इसके पौधे की जड़े जमीन में ज्यादा गहराई तक नहीं जातीं है। यह सतह पर ही फैलने वाला पौधा होता है। अत: इसमें कम समय के अंतराल पर नियमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई पौध रोपण के तुरंत पश्चात कर देनी चाहिए। उसके बाद 2 से 3 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करते रहें।

सिंचाई के लिए ड्रिप सिंचाई प्रणाली उत्तम रहती है। इस पद्धति द्वारा पौधों को उनकी आवश्यकता अनुसार पानी को बूंद-बूंद के रूप में जड़ क्षेत्र में उपलब्ध कराया जाता है। इस प्रणाली में प्लास्टिक लाइनों द्वारा पानी पौधों की जड़ों में सीधा तथा समान रूप से पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही कम पानी का प्रयोग करके अधिकतम पैदावार ली जा सकती है।

ड्रिप सिंचाई प्रणाली में जल के साथ-साथ उर्वरक, कीटनाशक व अन्य घुलनशील रासायनिक तत्वों को भी सीधे पौधों तक पहुंचाया जा सकता है। जब पानी के साथ-साथ पोषक तत्व भी पौधों को उपलब्ध कराए जाते हैं, तो उसे फर्टिगेशन (फर्टिलाइजर+इरीगेशन) के नाम से जाना जाता है। फर्टिगेशन में पूर्णत: घुलनशील या तरल उर्वरक का ही प्रयोग किया जा सकता है।

पाले या सर्दी से बचाव के लिए निम्न सुरंग (लो-टनल) तकनीक का प्रयोग करना लाभप्रद होता है। शरद ऋतु (दिसंबर से जनवरी) में तापमान में काफी गिरावट आ जाती है। इस समय खेत में स्ट्रॉबेरी के पौधों को पाले से बचाने के लिए निम्न सुरंग तकनीक का उपयोग काफी फायदेमंद हो सकता है। इससे विपरीत ठंडे मौसम में भी अच्छा उत्पादन लिया जा सकता है। लो-टनल एक कम ऊंचाई वाली संरचना होती है।

इसका निर्माण खुले खेत में उगाई जाने वाली फसल को कम तापमान या पाले से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए किया जाता है। यह दूसरी संरचनाओं की अपेक्षा काफी कारगर एवं सस्ती तकनीक है। इसे तैयार करना काफी आसान होता है। लो-टनल संरचना में हरितगृह जैसा ही वातावरण उत्पन्न हो जाता है। निम्न सुरंग (लो-टनल) स्थापित करने के लिए अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों को 2 से 3 मीटर की दूरी पर स्थापित करते हैं।

उसके बाद अर्धचन्द्राकार लोहे के तारों के ऊपर मध्य में रस्सी बांध देते हैं। इन तारों पर 50 माइक्रॉन मोटाई तथा 2 मीटर चौड़ी पारदर्शी प्लास्टिक की चादर बिछाकर इसकी लंबाई वाले दोनों सिरों को मिट्टी से दबा देते हैं। इससे तेज हवा चलने पर भी प्लास्टिक नहीं उड़ती। निम्न सुरंग या पॉलीथीन की ऊंचाई लगभग 60 से 70 सेंटीमीटर रखते हैं।

प्लास्टिक की फिल्म को दिन के समय हटा देते हैं तथा रात के समय पुन: ढक देते हैं। ऐसा करने से सुरंग के अंदर मिट्टी के तापमान में वृद्धि हो जाती है। इससे पुष्पन जल्दी होता है और अच्छी फलत प्राप्त होती है। फरवरी के दूसरे या तीसरे सप्ताह में जब तापमान बढ़ जाता है तो प्लास्टिक फिल्म को पूर्णत: हटा देते हैं।

कीट एवं रोग

स्ट्रॉबेरी से अच्छा उत्पादन लेने के लिए इसका कीट एवं रोगों से मुक्त होना अति आवश्यक है। इसमें कई तरह के कीट एवं रोग नुकसान पहुंचाते हैं। इससे उपज में काफी कमी आ जाती है। अत: सही समय पर इनकी पहचान करके इन्हें दूर ही रखा जाए तो अच्छा है। कुछ प्रमुख कीट एवं रोगों की पहचान एवं उनका निदान इस प्रकार है, जैसे-

पर्णजीवी (थ्रिप्स)- यह सूक्ष्म आकार का (एक मिलीमीटर से छोटा) हल्के पीले और भूरे रंग का कीट होता है। इस कीट के वयस्क और शिशु दोनों ही स्ट्रॉबेरी की पत्तियों एवं पुष्पन से रस चूसकर क्षति पहुंचाते हैं। परंतु पुष्पन के समय यह ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं।

रोकथाम- इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 2 मिलीलीटर या डाइमेथोएट 30 ई सी एक मिलीलीटर या कोनफीडोर 1.5 मिलीलीटर दवा का प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

लाल मकड़ी- यह आठ पैरों वाला लाल रंग का कीट होता है। इसके शिशु और वयस्क दोनों ही स्ट्रॉबेरी के पौधों को नुकसान पहुचाते हैं। ये कीट पत्तियों की निचली सतह से रस चूसते हैं। इससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं। इनकी वृद्धि रुक जाने से उपज कम हो जाती है। इसका प्रकोप गर्म और शुष्क मौसम में ज्यादा होता है।

रोकथाम- इस कीट के नियंत्रण के लिए पौधों पर सल्फर 1.5 से 2 ग्राम या ओमाइट एक मिलीलीटर या कैल्थेन 18.5 ई सी 1 से 2 मिलीलीटर या आबामेक्टिन 1.9 ई सी एक मिलीलीटर दवा का प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

काला धब्बा- यह एक फफूंदी जनित रोग है। इससे प्रभावित स्ट्रॉबेरी की पत्तियों पर काले रंग के धब्बे बनने प्रारंभ हो जाते हैं। यह रोग जलवायु में आर्द्रता होने पर अधिक फैलता है।

रोकथाम- इस रोग की रोकथाम के लिए कैप्टॉन नामक दवा का 0.2 प्रतिशत या बैनलेट 0.1 प्रतिशत प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

चूर्णी फफूद या छाछ्या- इस रोग के लक्षण पहले स्ट्रॉबेरी की पत्तियों की ऊपरी सतह पर एवं तनों के ऊपर छोटे-छोटे बैंगनी रंग के धब्बों के रूप में दिखते हैं।

रोकथाम- इसकी रोकथाम के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या केलिक्सिन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

एंथ्रेक्नोज (श्यामव्रण) एवं फल सड़न- यह रोग भी गर्म एवं आर्द्र मौसम में ज्यादा फैलता है। इसके कारण स्ट्रॉबेरी की पत्तियों पर हल्के, गहरे काले रंग के धब्बे दिखाई देने लगते हैं। यह फलों को भी प्रभावित करता है। इससे गोल हल्के जलीयनुमा धब्बे फलों पर दिखाई देने लगते हैं।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए हमेशा अच्छे जल निकास एवं खरपतवार मुक्त खेत में ही स्ट्रॉबेरी उगाएं साथ ही स्वस्थ एवं रोगमुक्त रोपण सामग्री के साथ-साथ फसलचक्र अपनाएं। कार्बेन्डाजिम दवा 200 ग्राम को 100 लीटर पानी में मिलाकर 10 से 15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव करें।

ग्रे मोल्ड- यह कवक स्ट्रॉबेरी के सम्पूर्ण पौधे (तना, पत्तियां, फल, फूल, पेटीओल) को नुकसान पहुंचाता है। परंतु पुष्पन एवं फल लगते समय यह ज्यादा नुकसान पहुंचाता है। इसके कारण कच्चे एवं पके फल खराब हो जाते हैं। प्रभावित भागों पर ग्रे रंग के धब्बे बन जाते हैं। यह हवा एवं पानी द्वारा रोगग्रसित भाग से स्वस्थ पौधों में फैल जाता है। बारिश के दिनों में जब तापमान कम एवं आर्द्रता ज्यादा होती है, तो इसके फैलने के लिए यह बहुत अनुकूल समय होता है। अत: इसका सही समय पर बचाव जरूरी है।

रोकथाम- इससे बचाव के लिए डाइथेन एम- 45 नामक फफूंदनाशी की 1.5 ग्राम मात्रा का प्रति लीटर पानी में डालकर छिड़काव करना चाहिए।

स्ट्रॉबेरी के फलों की तुड़ाई का समय बाजार की दूरी के अनुसार तय करते हैं। सामान्यत: फलों की तुड़ाई आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात करते हैं। फलों की तुड़ाई डंठल सहित प्रात: काल सूरज निकलने से पूर्व ही पूर्ण कर लेनी चाहिए। तोड़े हुए फलों को रखने के लिए ट्रे का प्रयोग करना चाहिए, क्योंकि इसके फल बड़े नाजुक होते हैं। इन्हें गहरे बर्तन में रखने से फलों की ऊंची परत के दबाव के कारण नीचे भरे फलों को नुकसान पहुंच सकता है।

स्ट्रॉबेरी के फलों को 2 से 3 दिनों तक ही सुरक्षित रखा जा सकता है।

अत: तोड़ने के बाद फलों को ज्यादा समय तक नहीं रखना चाहिए। बिक्री के लिए बाजार में भेजने के लिए फलों को प्लास्टिक के छोटे डिब्बों में पैक करना चाहिए तथा बाद में इन डिब्बों को कोरूगेटिड फाइबर बोर्ड सीएफबी से बने बड़े डिब्बों में पैक करके भेजना चाहिए।

स्ट्रॉबेरी की किस्में

भारत में स्ट्रॉबेरी की बहुत सी किस्में उगाई जाती हैं। व्यावसायिक फल उत्पादन के लिए सही किस्मों का चुनाव बहुत जरूरी है। किस्मों का चयन क्षेत्र की जलवायु एवं भूमि की विशेषताओं को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। देश में उगाई जाने वाली कुछ प्रमुख किस्में इस प्रकार हैं, जैसे- चान्डलर, फेस्टिवल, विन्टर डॉन, फ्लोरिना, कैमा रोजा, ओसो ग्रैन्ड, ओफरा, स्वीट चार्ली, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलवी, फर्न, पजारो इत्यादि।

संकर व उन्नत टमाटर किस्में, विशेषताएं और पैदावार

टमाटर की अधिकतम पैदावार के लिए संकर व उन्नत किस्म का चयन करना आवश्यक है । क्योंकि टमाटर की खेती एक व्यवसाय के रूप में अपना स्थान रखती है। इसका सब्जी उत्पादन में विशेष योगदान है। इसकी खेती पूरे भारत वर्ष में की जाती है। टमाटर की दो प्रकार की किस्में पायी जाती है। एक सामान्य उन्नतशील किस्में, दूसरी संकर किस्में।

इनमें भी दो तरह की किस्में होती है, एक सीमित बढवार वाली, दूसरी असीमित बढवार वाली इसके साथ ही कुछ रोग अवरोधी किस्में होती है। इस लेख में टमाटर की संकर व उन्नत किस्मों तथा उनकी विशेषताओं और पैदावार की जानकारी का उल्लेख है।

टमाटर की किस्में

संकर किस्में-

सिमित बढवार वाली- रश्मी, रुपाली, अजन्ता, पूसा हाइब्रिड- 2, मंगला, वैशाली, मैत्री, अविनाश 22, स्वर्ण वैभव, स्वर्ण समृद्धि और ऋषि आदि प्रमुख है।

असीमित बढवार वाली- अर्का रक्षक (एफ), अर्का सम्राट (एफ), नवीन सोनाली, लैरिका और रत्ना आदि प्रमुख है।

उन्नत किस्में-

हिसार अरुण, पंजाब छुहारा, अर्का विकास, अर्का सौरभ, काशी अमृत, पन्त टमाटर- 3, कल्यानपुर टाइप- 3, आजाद टी- 5, आजाद टी- 6, काशी, पूसा अर्ली, काशी अनुपम पूसा गौरव, पन्त बिहार, हिसार ललित (एन टी- 8) आदि प्रमुख है।

रोग अवरोधी- अर्का रक्षक (एफ), अर्का सम्राट (एफ), मोहनी, रत्ना, मिनाक्षी, मैत्री, मेनिका और ऋषि आदि प्रमुख है।

टमाटर की किस्मों की विशेषताएं और पैदावार

अर्का रक्षक-

यह उच्च उपज वाली एफ, संकर किस्म है, जो टमाटर के तीन प्रमुख रोगों, पत्ती मोड़क विषाणु, जीवाणु झुलसा व अगेती धब्बे की प्रतिरोधी है। इसके फल चौकोर से गोल, वज़न मध्यम से भारी 75 से 100 ग्राम, दृढ़ तथा गहरे लाल रंग के होते हैं। इसके फलों को सामान्य तापमान पर 15 से 20 दिन तक आसानी से बाहर रखा जा सकता है, जिस कारण इसे दूर-दराज़ के क्षेत्रों में भेजने में सुविधा होती है। इसे ताजे फलों के रूप में तथा प्रसंस्करण हेतु विकसित किया गया है। इसे खरीफ, रबी व गर्मी के मौसम में उगाया जा सकता है। इसकी पैदावार 140 से 150 दिन में लगभग 400 से 500 क्विंटल प्रति एकड़ है।

अर्का सम्राट-

यह उच्च उपज वाली एफ, संकर किस्म है, जो टमाटर के तीन प्रमुख रोगों, पत्ती मोड़क विषाणु, जीवाणु झुलसा व अगेती धब्बे की प्रतिरोधी है। इसके फल आकार में चपटे गोल, बड़े व वज़न 100 से 120 ग्राम, दृढ़ और गहरे लाल रंग के होते हैं। इसके फलों को सामान्य तापमान में 15 से 20 दिन तक आसानी से बाहर रखा जा सकता है, जिस कारण इसे दूर-दराज़ के क्षेत्रों में भेजने में सुविधा होती है। इसे ताजे फलों के रूप में बेचने हेतु विकसित किया गया है एवं इसे खरीफ, रबी व गर्मी के मौसम में उगाया जा सकता है। इसकी पैदावार 140 से 150 दिन में लगभग 400 से 500 क्विंटल प्रति एकड़ है।

स्वर्ण वैभव-

यह संकर किस्म है, इसके फल गहरे लाल रंग के गोल 140 से 150 ग्राम, ठोस और कुल घुलनशील पदार्थ 5 प्रतिशत दूरवर्ती बाजार तथा प्रसंस्करण के लिए उपयुक्त, और सिमित बढ़वार वाली किस्म, बिहार, झारखण्ड, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में खेती के लिए अनुमोदित, पहली तुड़ाई की अवधि 55 से 60 दिन और औसतन पैदावार 900 से 1000 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक है।

स्वर्ण समृद्धि-

इस संकर किस्म के फल लाल, ठोस, वजन 70 से 80 ग्राम तथा कुल घुलनशील पदार्थ 5 से 6 प्रतिशत, जीवानुज मुरझा और अगेती अंगमारी रोगों के लिए प्रतिरोधी और सिमित बढ़वार वाली, रोपाई के 55 से 60 दिन बाद फल प्रथम तुड़ाई के लिए तैयार, औसत पैदावार 1000 से 1050 क्विंटल प्रति हेक्टेयर, बिहार, झारखण्ड और उत्तर प्रदेश में खेती के लिए अनुमोदित है।

दिव्या-

यह टमाटर की संकर किस्म रोपाई से 75 से 90 दिन में फल देने लगती है, यह किस्म पछेता झुलसा और आँख सडन रोग रोधी किस्म है, इसके फल लम्बे समय तक ख़राब नहीं होते है। पैदावार प्रति हेक्टेयर 400 से 500 क्विंटल तक प्राप्त होती है।

हिसार अरुण (सेलेक्शन- ।)-

यह टमाटर की किस्म पूसा अर्ली डुआर्फ व के- 1 के संकरण से विकसित की गई है, इसके पौधे छोटे, पौधों पर फल काफी मात्रा में लगते है। इसके फल सामान्यतया लगभग एक ही समय पर पकते है। जो मध्यम से बड़े आकार के होते है, यह काफी अगेती किस्म है। यह एच एस- 110 किस्म से करीब 12 से 15 प्रतिशत से अधिक पैदावार देती है, इस किस्म की बसंत व वर्षा ऋतु में उगाने के लिए सिफारिश की गई है।

पूसा गौरव-

इस टमाटर की किस्म के फल चिकने मध्यम आकार के तथा पूरी तरह लाल रंग के होते ,है फलों का छिलका मोटा होता है। इसलिए इन्हें दूर बाजारों में बिक्री हेतु भेजा सकता है। इस किस्म के फल डिब्बा बंदी के लिए भी उपयुक्त होते है। इसे बसंत गर्मी और खरीफ के मौसम में उगाया जा सकता है तथा इसकी औसत पैदावार 400 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है।

पूसा शीतल-

इस टमाटर की किस्म की यह विशेषता है, की यह कम तापमान पर भी फल बना लेती है तथा इसी कारण इसकी खेती मैदानी भाग में ठण्ड में भी की जा सकती है। इसके फल फ़रवरी के अंत और मार्च में पककर तैयार होने लगते है, बाजार में फलों को अगेते भेजने से किसानों को अच्छा लाभ मिलता है, इस किस्म के फल मध्यम आकार के तथा सुन्दर लाल रंग के होते है। यह किस्म 300 क्विंटल प्रति हेक्टेयर पैदावार देती है।